आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं
- 12

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर
- 12

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत
- 13

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच
- 14

आज का मौसम
19.0⁰ अधिकतम तापमान
08.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082
शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 334, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

- वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा
- प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की है योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है।

वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गोमती नदी में वाटर मेट्रो संचालन की संभावनाओं, तकनीकी पहलुओं और आगे की कार्ययोजना पर मंथन किया गया।

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि परियोजना से संबंधित होने वाले व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
> -दयाशंकर सिंह, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन :निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3 .60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5⁰ सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें। योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

इंदौर दूषित पेयजल मामले में बड़ा एक्शन, दो अधिकारियों पर कार्रवाई

इंदौर, एजेंसी

- निगम आयुक्त को हटाने के निर्देश अपर आयुक्त और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री निलंबित

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटाने के निर्देश दिए। वहीं इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी, इस संबंध में कठोर निर्णय लिए जा रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। इसी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीज उपचार के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं।

हाईकोर्ट में सरकार बोली- यह प्रकोप लोक स्वास्थ्य आपातकाल

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की स्थिति रिपोर्ट में कहा गया कि डायरिया के प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेते हुए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के निर्देश पर यह रिपोर्ट पेश की। अदालत पेयजल त्रासदी को लेकर इंदौर उच्च न्यायालय अभिभाषक (वकील) संघ के अध्यक्ष रितेश ईनाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर छह जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का निधन

बरेली। फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार भाजपा के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई तो तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने वेंटीलेटर पर रखकर उन्हें सीपीआर दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60 वां जन्मदिन मनाया था। सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। जिसमें फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे तभी उन्हें हार्टअटैक पड़ गया।

- कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान आया हार्टअटैक बरेली के फरीदपुर से थे विधायक

1500 करोड़ के जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने की कार्रवाई

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है। बाद में ईडी की शिकायत के आधार पर गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने भी पटेल, उनके निजी सहायक जयराजसिंह झाला, क्लर्क मयूरसिंह गोहिल और उप मामलतदार मोरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। टीम ने सुरेंद्रनगर जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात मोरी के आवास पर 23 दिसंबर को छापेमारी के दौरान 67.5 लाख नकदी बरामद होने के बाद रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में भूमिका के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी | किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क रहना चाहिए : पीठ

पीठ ने कहा, अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके। उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। उन्होंने कहा, यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जाने को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

डॉ.दिलीप को एआरटीओ प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : एआरटीओ प्रशासन बीके सिंह के रिटायर होने के बाद एआरटीओ प्रवर्तन के पद पर तैनात डॉ. दिलीप गुप्ता को परिवहन विभाग की ओर से एआरटीओ प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शुक्रवार को एआरटीओ कार्यालय पहुंचे डॉ. दिलीप कुमार गुप्ता ने अतिरिक्त प्रभार का काम काज संभाला। इसके बाद उन्होंने कार्यालय के लेखाकार सहित सभी पटल सहायकों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिया। बता दें कि 31 दिसम्बर को एआरटीओ प्रशासन बीके सिंह रिटायर हो गए थे।

बीते वर्ष 4 लाख कम हुए चालान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचार: इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

लखनऊ : अपने सरकारी आवास पर बैठक में राजस्व और पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटे मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 221 सदस्यीय समिति गठित करेगी भौतिक सत्यापन

अमृत विचार: कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

आंखों की रोशनी होने से व्यक्ति नहीं रहता आश्रित

संवाददाता (कुंडा, प्रतापगढ़)।

ऑपरेशन के बाद वृद्ध को दवा, चश्मा आदि देते विधायक रघुराज प्रताप सिंह।

अमृत विचार : राजा भइया यूथ ब्रिगेड के संयोजन में योगीराज देवरहा बाबा चैरिटेबल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के द्वितीय चरण में बिहार ब्लॉक में आयोजन किया गया। नेत्र शिविर का समापन शुक्रवार को बजरंग महाविद्यालय कुंडा में आयोजित किया गया। इसमें लोगों को संबोधित करते हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया ने कहा कि आंखें अमूल्य हैं। आंखों की रोशनी पुनः प्राप्त होने से व्यक्ति को किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ता है।

उन्होंने सभी 152 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के बाद दवा, चश्मा व कंबल भेंट कर वाहनों से उन्हें उनके घर तक भिजवाया। इस अवसर पर पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार, बाबागंज विधायक विनोद सरोज, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के.एन.ओझा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उमाशंकर यादव, ज़िला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल, राजा भइया प्रतिनिधि हरिओम श्रीवास्तव, संतोष सिंह, रमेश सरोज, रामयश सरोज, शिवकुमार तिवारी, बबलू सिंह, विनोद पटेल, विजय पांडेय, इंद्रदेव पटेल, विनोद यादव, रामनाथ यादव, बच्चा यादव, सुमित तिवारी, फूलमती, भीम यादव, अनीश यादव, अन्नू सिंह, शन्नो देवी, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहे।

एसपी ने आदेश कक्ष के सौंदर्यीकरण का किया उद्घाटन

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : पुलिस लाइन स्थित आदेश कक्ष के सौंदर्यीकरण कार्य का शुक्रवार को एसपी दीपक भूकर ने उद्घाटन किया। नवनिर्मित एवं सौंदर्यीकृत आदेश कक्ष का अवलोकन करते हुए प्रशासनिक गतिविधियों को और अधिक सुव्यवस्थित, आधुनिक, प्रभावी एवं तकनीक-सुसज्जित बनाने की दिशा में किए गए कार्यों की सराहना की। एसपी ने कहा कि आदेश कक्ष किसी भी जनपद की पुलिस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र होता है, जहां से प्रशासनिक नियंत्रण, दिशा- निर्देशन एवं समीक्षा कार्य संपादित किए जाते हैं। एसपी ने आदेश कक्ष में औपचारिक रिपोर्टिंग (ओआर) करते हुए विभागीय अभिलेखों का निरीक्षण किया गया। लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी पश्चिमी बृजनन्दन राय, सीओ लाइन शिव नारायण वैस, प्रशिक्षु आईपीएस मो. आफताब आलम, प्रतिसार निरीक्षक राजीव कुमार राय सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

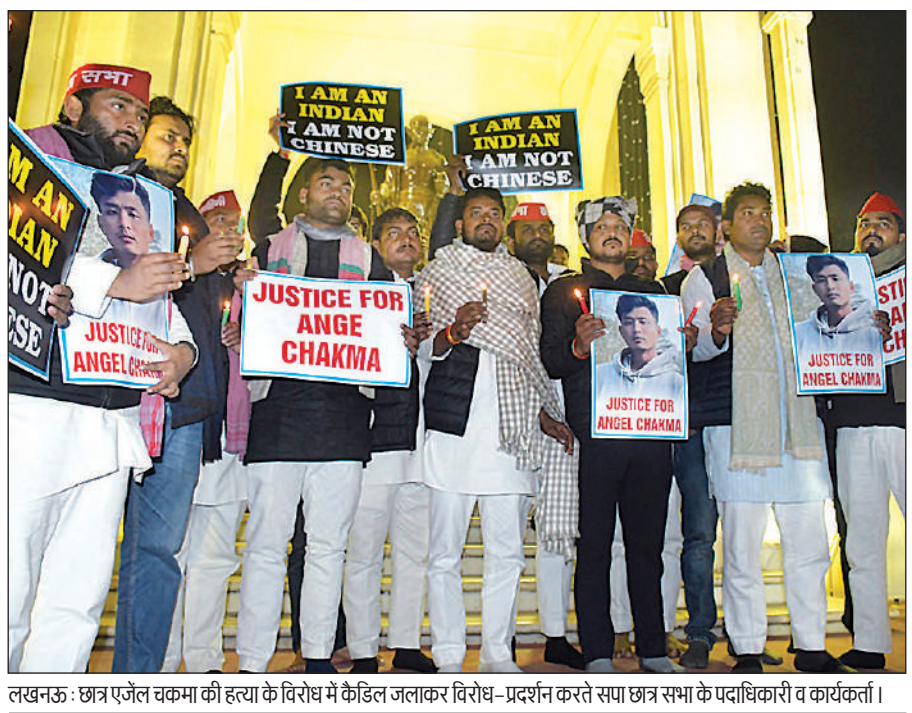

लखनऊ : छात्र एंजेल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

दूरसंचार का पावरहाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

अमृत विचार: दूरसंचार क्षेत्र में तेज़ी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ प्रतापगढ़ सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल व उनके परिजन।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश पहुंचे प्रतापगढ़ सांसद डॉ. एसपी के आवास, जाना कुशलक्षेम

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतापगढ़ सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल के आवास पहुंचे। उन्होंने उनका कुशलक्षेम जाना। मालूम हो कि विगत दिनों सांसद डॉ. एसपी सिंह की हार्ट सर्जरी हुई थी। अखिलेश यादव के साथ सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी भी सांसद के आवास पहुंचे। सांसद ने पूर्व एमएलसी कांति सिंह प्रत्याशी लखनऊ खण्ड स्नातक के साथ नेताद्वय का स्वागत किया। सांसद ने दोनों नेताओं का आभार व्यक्त किया।कहा कि ऑपरेशन के बाद पार्टी मुखिया का मेरे स्वास्थ्य की जानकारी लेने और हालचाल पूछने के लिए उनका आना यह दर्शाता है कि हमारे नेतृत्व की जड़ें केवल राजनीति में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और आपसी सरोकारों में भी गहराई से जुड़ी हैं। यह स्नेह, मार्गदर्शन और आत्मीयता मेरे लिए संबल है। इस दौरान राजन सिंह, नेहा सिंह, संजय सिंह, गरिमा सिंह, पंकज यादव, सोने लाल पटेल, श्रीपाल पटेल, राज बहादुर सचान, आदित्य सिंह आदि मौजूद रहे।

नाबालिग अगवा कर दुष्कर्म के दोषी को 20 साल जेल, एक लाख अर्थदंड

संवाददाता, प्रतापगढ़।

अमृत विचार : अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट पारुल वर्मा ने नाबालिग को अगवा व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी पाते हुए समीर अहमद थाना उदयपुर को 20 वर्ष के कारावास व एक लाख रूपया अर्थदंड से दंडित किया।अर्थदंड की राशि पीड़िता को उसके चिकित्सीय एवं मानसिक आघात की पूर्ति तथा उसके पुनर्वास हेतु प्रदान की जाएगी। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक निर्भय सिंह ने की।

वादी मुकदमा के अनुसार 14 जुलाई 2024 रात 2 से 3 बजे के बीच उसकी 17 वर्ष की पीड़िता भतीजी को उसके गांव का समीर अहमद शादी का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले गया। भतीजी के पास एक मोबाइल था,जो बंद आ रहा है। पीड़िता ने न्यायालय में उपस्थित होकर बताया कि समीर अहमद शारीरिक संबंध बनाने के लिए मीठी-मीठी बातें करता था। समीर ने मुझे फोन करके बुलाया। मैं उसके बुलाने पर अपने घर के पीछे एक सड़क है गई। वहां वह मुझे मिला और बाइक से मुझे लेकर अपनी बुआ के घर गया। बुआ के घर कोई नहीं रहता था। वहां पर उसने मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। समीर मुझसे कहता था कि तुम अपना धर्म बदलकर इस्लाम कबूल कर लो और मेरे साथ निकाह कर लो। अभियोजन की ओर से सात गवाहों के माध्यम से 12 प्रदर्शो को साबित कराया गया। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि यदि पीड़िता को पूर्व में रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष से क्षतिपूर्ति न प्राप्त हुई हो तो नियम अनुसार क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए।

न्यूज ब्रीफ

कंबल वितरण और भंडारे का आयोजन

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नववर्ष पर त्रिवेदीगंज क्षेत्र के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह ने अवसानेश्वर मंदिर पर जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण और भंडारे का आयोजन किया। इससे पहले अखंड रामचरितमानस का पाठ और हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत, एसडीएम राजेश विश्वकर्मा सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेत में मिला नवजात शिशु का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र में एक खेत में नवजात शिशु मृत मिला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को दफना दिया। हांसेमऊ में शुक्रवार की सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने मृत नवजात शिशु को पड़ा देखा। खबर गांव तक पहुंची तो लोगों का एकत्र होना शुरु हो गया। आपस में बातचीत के बाद ग्रामीणों ने शव को दफना दिया।

मनचाही शादी न होने पर युवती ने छोड़ा घर

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : गांव के युवक से शादी की जिद पूरी न करने पर युवती नाराज होकर घर छोड़कर चली गई। पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री गांव के ही युवक से शादी करने का दबाव बना रही थी। परिजनों द्वारा शादी से मना करने पर वह नाराज हो गई। पीड़ित पिता के अनुसार एक जनवरी की शाम करीब 7 बजे उनकी पुत्री घर से कहीं चली गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका। घटना से परिजन काफी परेशान हैं। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं युवती की तलाश की जा रही है।

धुंधकारी महाराज की सुनायी कथा

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा मसौली के मोहल्ला भूलीगंज स्थित मां शक्ति काली पीठ मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरा दिन रसूलपुर से पधारे कथावाचक उदय दास ने धुंधकारी महाराज की कथा सुनायी। नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा (भुल्लन वर्मा) ने उदय दास महाराज का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। कथावाचक ने कलयुग में भगवान की महिमा और संकीर्तन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भागवत कथा के माध्यम से बताया कि कर्म और धर्म का पालन मनुष्य को सही मार्ग पर ले जाता है और रंजिश नहीं रखनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भगौती प्रसाद वर्मा, सत्येंद्र वर्मा, अमरीश वर्मा, गुड्डू यादव, राजू यादव और शिवकुमार अमरसिंह गौतम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सर्दी के कहर से कंपकंपाया जनजीवन

भीषण ठंड के कारण पशु-पक्षी भी हुए बेहाल, ठिठुरन के कारण जरूरी कार्यों से ही घरों से निकल रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

सर्दी से बचाव के लिए ऊनी कपड़े पहनकर निकले लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सर्दी के कहर से इंसान से लेकर बेजुबान पशु पक्षी तक कंपकंपा रहे हैं। शुक्रवार को शीतलहरी चली तो तापमान तेजी से लुढ़क गया और लोग अलाव, हीटर आदि के सहारे ही रहे। बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। कोहरे का कहर तो बरकरार है ही पाला गिरने के संकेत भी दिखने लगे हैं। सर्दी का सितम देखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों का आना 14 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। अधिकतम तापमान 22 और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया।

जानकार बताते हैं कि गुजरे एक दशक में इस तरह की सर्दी देखने को नहीं मिली। हालांकि वर्ष 2007 व 2014 में बड़ी ही भीषण सर्दी पड़ी थी और पाला गिरने से फसल बड़े स्तर पर तबाह हुई थी। यही नहीं करीब 15 दिनों तक धूप ही नहीं निकली थी।

वर्तमान में पड़ रही सर्दी ने आमजन को ठिठुरा दिया है। गिरता पारा, कोहरा, शीतलहर के बाद अब पाले के खतरे ने रही सही कसर पूरी कर दी है। आलम यह कि इंसान तो किसी तरह खुद का बचाव कर ले रहा पर बेजुबान पशु-पक्षियों की शामत आ गई है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक इस समय सार्वजनिक जगहों पर अलाव की मांग बढ़ गई है लेकिन यह उपलब्ध नहीं हो पा रहा। सबसे ज्यादा दिक्कत खुले में या इधर उधर रात गुजारने वालों के सामने है, उनके लिए अलाव ही एकमात्र सहारा बचा है। ठिठुरन, गलन के चलते अब लोग जरूरी काम से ही बाहर निकल रहे। गुरुवार को धूप निकलने की वजह से शुक्रवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। वहीं दोपहर बाद शीतलहर का ऐसा दौर चला कि लोग कंपकंपा उठे। सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी प्रतिष्ठानों व दुकानों पर अलाव सर्दी दूर करता रहा। भीषण ठंड ने अब किसानों के कान खड़े कर दिए हैं। पाला गिरने की दशा में फसल चौपट होने के आसार बढ़ गए हैं। इस बीच डीएम के निर्देश पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों का अवकाश कर दिया गया।

मसौली क्षेत्र में सफदरगंज के समाजसेवी उस्मान सिद्दीकी उर्फ़ मुन्ना ने लगभग 2 सौ कंबल, एक हजार शाल एव 2 सौ गर्म टोपी का वितरण असहायों को किया।

पिथौरागढ़ में मिला एक साल से लापता युवक

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी की पहल से रामनगर क्षेत्र के बिंदौरा परसपुर गांव से करीब एक वर्ष पूर्व लापता हुआ 35 वर्षीय युवक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में मिल गया। उसे लाने के लिए पुलिस टीम रवाना हो गयी है।

तहसीलदार विपुल कुमार सिंह ने बताया कि बिंदौरा परसपुर निवासी योगेन्द्र उर्फ पूरन (35) पुत्र सत्यप्रकाश, जो मंदबुद्धि है। बीते मार्च 2025 में कुर्सी थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाह समारोह में गया था, जहां से वह लापता हो गया था। परिजनों द्वारा तलाश के बावजूद उसका सुराग नहीं मिल सका था। नववर्ष के दिन 1 जनवरी को पिथौरागढ़ के बेरीनाग गांव निवासी त्रिभुवन पाठक ने डीएम को फोन कर सूचना दी कि उनके यहां पूरन नामक एक व्यक्ति मिला है, जो बाराबंकी जाने की बात कह रहा है और बीच-बीच में रामनगर का नाम भी ले रहा है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराई, जिसमें उक्त व्यक्ति की पहचान बिंदौरा परसपुर निवासी योगेन्द्र उर्फ पूरन के रूप में हुई। रामनगर तहसील प्रशासन ने पिथौरागढ़ जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर युवक के परिजनों से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत कराई। पहचान की पुष्टि होने के बाद डीएम के निर्देश पर प्रशासन और पुलिस विभाग ने युवक को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की। शुक्रवार को लापता युवक के भाई अमरेंद्र कुमार को पुलिस टीम के साथ बेरीनाग (पिथौरागढ़) रवाना किया गया।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें चालक

बाराबंकी, अमृत विचार : परिवहन विभाग द्वारा 1 से 31 जनवरी तक चलाए जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शुक्रवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में बस, ट्रक, ऑटो, ई-रिक्शा व टैक्सी चालक यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ जीरो फैटेलिटी को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) बलवंत सिंह यादव ने चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव, ड्रिंक एंड ड्राइव न करने और वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने पर जोर दिया। यातायात प्रभारी रामयतन यादव ने बताया कि दुर्घटनाओं का मुख्य कारण थकान, लापरवाही और नशे की हालत में तेज वाहन चलाना है। उन्होंने लंबी यात्रा के दौरान थकान होने पर वाहन रोककर विश्राम करने की सलाह दी। कार्यशाला में ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता अंगद वर्मा सहित विभिन्न स्टैंडों के चालक मौजूद रहे।

सीओ रामसनेहीघाट को मिला मेडल

सम्मानित करते एसपी। ● अमृत विचार

बाराबंकी : अमृत विचार : मुख्यमंत्री द्वारा सीओ रामसनेहीघाट को महाकुम्भ सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है। सीओ रामसनेहीघाट जटाशंकर मिश्र को महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, और विशिष्ट सेवाओं के लिए 'महाकुंभ सेवा मेडल' एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। एसपी ने सीओ को यह मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

फोरलेन सड़क निर्माण की तैयारियां शुरू

देवा, बाराबंकी

नपाई और चिन्हांकन करती राजस्व विभाग की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ के इटौंजा से वाया कुर्सी, देवा होते हुए माती किसान पथ तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण की दिशा में प्रशासन ने औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को देवा कस्बे के कुर्सी रोड पर राजस्व विभाग की टीम ने सड़क के दोनों ओर अधिग्रहण की जद में आने वाली भूमि की नपाई और चिन्हांकन का कार्य आरंभ किया।

जानकारी के अनुसार लखनऊ के इटौंजा से वाया कुम्भरावा, कुर्सी, देवा, ग्वारी व बरेठी होते हुए माती किसान पथ तक फोरलेन नेशनल हाईवे निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है और इसके लिए बजट भी जारी होने की संभावना है। परियोजना के तहत देवा कस्बे के भीतर सड़क के मध्य बिंदु (गोला) से दोनों ओर लगभग 12.5-12.5 मीटर भूमि अधिग्रहीत की जाएगी। इसी क्रम में शुक्रवार को राजस्व कर्मी सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम ने कुर्सी रोड स्थित भवनों और दुकानों की नपाई-जोखाई की। टीम ने भवन स्वामियों से संबंधित अभिलेखों की जांच की और दाखिल-खारिज की पुष्टि भी की। राजस्व कर्मी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि यह प्रारंभिक कार्रवाई है और शासन के निर्देश पर इटौंजा से माती तक कुल 25 मीटर चौड़ी भूमि चिन्हित कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया जल्द पूरी कर संबंधित विभाग को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी

अमृत विचार : लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर शुक्रवार शाम करीब साढे सात बजे लोनीकटरा थाना क्षेत्र के दहिला डेयरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई वहीं उसकी मां घायल हो गई।

थाना क्षेत्र के ही मुर्तिहा मजरे तेजवापुर निवासी सतगुर (28) अपनी मां ईश्वर देई(55) को बाइक से लेकर लखनऊ से घर जा रहा था। जहां सड़क दुर्घटना मे दोनो लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया जहां सतगुर को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वही ईश्वर देई का इलाज चल रहा है।

हादसों में घायल दो की मौत, कई वाहन भिड़े

हैदरगढ़, सफदरगंज, मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : एक दिन पूर्व हुए हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं एक अन्य हादसे में बाइक सवार ने दम तोड़ दिया। इसी तरह बाराबंकी रामनगर हाईवे पर तीन वाहन आपस में टकरा गए, एक ट्रक सवार चालक व खलासी घायल हुए हैं। लखनऊ-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हैदरगढ़ के खरसतिया के पास गुरुवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बाइक सवार दूसरे युवक की भी मौत हो गई ।गोसूपुर गांव निवासी अरुण रावत (28) और रामू रावत (40) बाइक से हैदरगढ़ से घर लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ। पुलिस दोनों को सीएचसी हैदरगढ़ ले गई, जहां अरुण को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल रामू को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सफदरगंज थाना क्षेत्र में अयोध्या से बाइक से वापस घर लौट रहे राजन कुमार वर्मा (24) पुत्र राकेश निवासी ग्राम लेटुवा, थाना महमूदाबाद जिला सीतापुर रसौली के पास गुरुवार दिन में हुए सड़क हादसे में घायल हो गए थे। जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार शाम बाराबंकी-रामनगर हाईवे पर मसौली चौराहे के पास दो ट्रकों की टक्कर हो गई। पीछे से आ रही एक कार भी ट्रक से टकरा गई, हालांकि कार सवार चारों लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में ट्रक चालक तिलक राम (45) और खलासी महादेवराज (22) निवासी जनपद गोंडा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी बड़ागांव से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : ढ़वल में शुक्रवार को एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम बुढ़वल निवासी उस्मान की 17 वर्षीया पुत्री सीमा शुक्रवार को घर के एक कमरे में गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने उसे आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इस पर परिजनों ने कड़ी मशक्कत कर दरवाजा खोला तो देखा कि सीमा फंदे से लटक रही थी। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मतदाता सूची में नाम गायब देख ग्रामीण परेशान

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : विकास खंड दरियाबाद की ग्राम पंचायत गाजीपुर में मतदाता सूची में सैकड़ों नाम न होने की शिकायत जिला प्रशासन से की गई है। आरोप यह कि यह नाम जान-बूझकर हटाए गए हैं। वहीं तहसील प्रशासन आरोप को सिरे से खारिज कर रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य दिग्विजय सिंह की ओर से जिलाधिकारी से की गई लिखित शिकायत में कहा गया है कि न तो कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। अचानक नाम कटने से लोग हैरान हैं। कई परिवारों के सभी सदस्यों के नाम एक साथ हटाए जाने की बात सामने आई है। ग्राम गाजीपुर निवासी सीमा पत्नी रामलाल ने बताया कि उनके परिवार के पांचों सदस्यों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, इसी तरह बनपुरवा गांव के सत्यनाम यादव, रामप्रताप, बृजेश कुमार, रामनरेश, गीता देवी, राजेश कुमार सहित दर्जनों ग्रामीणों ने वर्षों से मतदाता होने के बावजूद नाम न होने की शिकायत की है। इस मामले में तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा का कहना है कि नाम कटने की बात गलत है। शिकायत की जांच की जा रही है। वहीं दावा आपत्ति की प्रक्रिया में छूटे नाम जोड़ने का अवसर है। ऐसे में यह आरोप सरासर गलत है।

सिटी डायरी

पूर्व विधायक का जन्मदिन मनाते समर्थक। अमृत विचार

जन्मदिन पर पूर्व विधायक ने बांटे कंबल

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने शुक्रवार को अपने जन्मदिन पर लोधेश्वर महादेवा मंदिर में पूजा कर विश्व कल्याण की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किये। पूर्व विधायक शरद अवस्थी ने कहा कि समाज सेवा ही उनका मुख्य लक्ष्य है। पूजन के बाद डाक बंगले पर कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। इस मौके नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक, राजेश अवस्थी, रोहित मिश्रा, शुभम अवस्थी, रवि शर्मा, दीपक, योगांत शुक्ला, गोविंदा त्रिपाठी आदि थे।

साथी को विदाई देते डाक कर्मचारी। अमृत विचार

सेवानिवृत्ति पर डाकसेवक को दी विदाई

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : शाखा डाकघर भिटौली उपमंडल में कार्यरत डाक सेवक राकेश कुमार अवस्थी की सेवानिवृत्ति पर बहरामघाट डाकघर कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता पोस्टमास्टर संतोष शुक्ला ने की। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने राकेश कुमार अवस्थी के सेवाकाल की सराहना की। डाककर्मियों ने कहा कि श्री अवस्थी के पूरे कार्यकाल को डाक विभाग सदैव याद रखेगा। इस अवसर पर कर्मचारियों ने उनके साथ जुड़े अपने अनुभव साझा किए और भावुक विदाई दी। कार्यक्रम में नितिन मिश्र, सुभाष वर्मा, सुरेश, विजय कुमार, जोया, अवधेश सहित अन्य डाककर्मियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

लोकार्पण करते विधायक दिनेश रावत। अमृत विचार

नए विकास कार्यों का लोकार्पण

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत द्वारा निर्मित विभिन्न इंटरलॉकिंग और डामरीकृत मार्गों का लोकार्पण विधायक दिनेश रावत और जिला पंचायत सदस्य व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह ने किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत आलापुर में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित अन्नपूर्णा भवन, ग्राम हुसैनाबाद में 10 लाख की लागत से 180 मीटर इंटरलॉकिंग रोड और 18 लाख की लागत से 250 मीटर डामर रोड का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा, ग्राम पंचायत शरीफाबाद के मल्लाहनपुरवा में 20 लाख की लागत से खड़ंजा मार्ग का उद्घाटन भी हुआ।

ज्ञापन देते किसान नेता। अमृत विचार

पैदल मार्च

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों की समस्याओं को लेकर धरना स्थल पर शुरू हुए आंदोलन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की अनुपस्थिति से नाराज किसानों ने पैदल मार्च किया। नायब तहसीलदार सूर्यपुर उमेश द्विवेदी और कोतवाली प्रभारी अंकित त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत की। आश्वासन दिया कि 6 जनवरी को किसानों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन की समस्याओं के समाधान को संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी।

ग्राम प्रहरियों को कंबल वितरित करते विधायक। ● अमृत विचार

गांवों की सुरक्षा में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अहम

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम प्रहरियों की भूमिका गांव की सुरक्षा व्यवस्था में अहम होती है। नगर स्थित पटेल पार्क में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस प्रशासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगी हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के तहत कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सीओ जगत राम कनौजिया ने कहा कि ग्राम प्रहरियों की समय पर दी गई सूचनाओं से गंभीर मामलों का शीघ्र निस्तारण संभव होता है। कार्यक्रम में फतेहपुर, कुर्सी, बद्दूपुर, मोहम्मदपुर खाला, घुंघटेर के समस्त ग्राम प्रहरियों को कंबल वितरित किए गए। इस मौके पर एसडीएम कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार वैशाली अहलावत, कोतवाल संजीत सोनकर, शील रत्न मिहिर, हेमंत दास, करुणा शंकर शुक्ल, रंजीत लोधी और अंशुमान मिश्र आदि थे।

बच्चों के कार्यक्रमों ने मोह लिया मन

कार्यक्रम के समापन पर मौजूद बच्चे व कॉलेज स्टाफ। ● अमृत विचार

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : लिल्हौरा वार्ड स्थित प्रकाश इंटर कॉलेज का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। पहले दिन बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। दूसरे दिन विज्ञान प्रदर्शनी, बाल मेला, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम राजेश विश्वकर्मा एवं विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, ऑपरेशन सिंदूर, रानी लक्ष्मीबाई, शिवाजी, नवदुर्गा, हनुमान चालीसा तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचाव पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। बाल मेले में छात्रों ने चाट, फास्ट फूड एवं मिष्ठान्न की दुकानें लागयीं। मुख्य अतिथि एसडीएम ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने विद्यालय के अनुशासन, शिक्षण व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के उन्नयन के लिए विद्यालय प्रबंधन व शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक आर.पी. यादव, संरक्षक पंकज कुमार यादव, प्रधानाचार्य पशुपतिनाथ पांडेय, प्रधानाध्यापक अनुराग पांडेय, दीपचंद शर्मा, सौरभ दीक्षित, अतुल शुक्ला, बंदना श्रीवास्तव, शोभा गुप्ता, विजय कुमार लोधी सहित समस्त अध्यापक-अध्यापिकाएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

आस्था

सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशपर्व की तैयारियों में आयी तेजी

गुरुद्वारे में गूंजा कीर्तन, आज निकलेगी शाही सवारी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

गुरुद्वारे में भजन-कीर्तन प्रस्तुत करता रागी जत्था। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशपर्व की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा लाजपत नगर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गुरुद्वारे में कई दिनों से सत्संग की ओर से सुखमनी साहिब जी का पाठ चल रहा था, जिसकी शुक्रवार को विधिवत समाप्ति हुई। एक सप्ताह से गुरुद्वारे से प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया, जिसमें संगत द्वारा भजन-कीर्तन और गुरु जस गायन किया गया। श्री अखंड पाठ साहिब का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत शुक्रवार सुबह नितनेम साहिब जी का पाठ संपन्न हुआ। इसके बाद 11:30 बजे से हजूरी रागी जत्था भाई तीरथ सिंह सोढ़ी द्वारा जस गायन किया गया तथा विशेष कीर्तन दीवान सजाया गया। कार्यक्रम के समापन पर आनंद साहिब का पाठ और अरदास की गई। अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। इस अवसर पर व्यापारी नेता सरदार चरनजीत सिंह, सरदार भूपेंद्र सिंह, सरदार चरनजीत सिंह, सरदार राजदीप सिंह, सरदार अवतार सिंह सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही। सरवंशदानी दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश उत्सव से पूर्व शनिवार को शहर में पंच प्यारों की अगुवाई में पावन शाही सवारी (शोभा यात्रा) निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा दोपहर 1 बजे लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से प्रारंभ होगी। शोभा यात्रा में बीर खालसा ग्रुप, जो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज है, के प्रेसिडेंट सरदार कंवलजीत सिंह तथा दुनिया के सबसे लंबे व्यक्ति सरदार जगदीप सिंह द्वारा करतब प्रस्तुत किए जाएंगे, जो पूरे नगर के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 03 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हज़रत अली की जयंती आज

उन्नाव, अमृत विचार। हज़रत मोहम्मद साहब के दामाद खलीफा पहले इमाम हज़रत अली अलैहिस्सलाम की यौमे पैदाइश तारीख (13 रजब) 3 जनवरी को जिले में धूमधाम से मनाई जायेगी। यह जानकारी देते हुए अंजुमन हैदरिया अब्बासिया के मीडिया प्रभारी मुर्तजा हैदर रिज़वी ने बताया कि इस मौके पर मस्जिदों, इमामबारगाहो, खानकाहों व कर्बला में रोशनी, चिराग़ह सजावट कर मिलादे महफिल मुनाकिद होगी। जिसमें बैरूनी, मकामी, शायर मौला अली की शान में नजराने अकीदत पेश करेंगे। मुस्लिम भाई घरों में मिट्ठे पकवान पकाकर नज़र नियाज़ करेंगे और रंग-बिरंगी लाइटों से चिरागा करेंगे।

मारपीट व एससीएसटी एक्ट में चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रश्मिलोक मोहल्ला निवासी बिंदा रावत ने गंगाघाट पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्त मोनू के घर गया था। तभी उसके घर के सामने रहने वाला मनोज निषाद उससे गालीगलौज करने लगा। विरोध करने पर मनोज ने अपने भाई विनोद, राजपाल व बहनोई मुकेश के साथ मिलकर उससे मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

10 डिग्री पर पहुंचा पारा: बर्फीली हवाओं से ठिठुरे लोग

वाहन चालकों को करना पड़ा भारी दिक्कतों का सामना, सामान्य से काफी कम रही वाहनों की रफ्तार, यातायात पुलिस हुई सक्रिय

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिले में शुक्रवार की सुबह कोहरे की चादर और हाड़ कंपा देने वाली ठंड के साथ हुई। तड़के से ही गलन व वातावरण में नमी के चलते आम जनजीवन प्रभावित रहा। कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता (विजिबिलिटी) कम दर्ज की गई। जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कोहरे का सबसे ज्यादा असर जिले की मुख्य सड़कों, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर देखा गया। वाहनों की रफ्तार सामान्य से काफी कम रही। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को दिन में भी फॉग लाइट और हेडलाइट का सहारा लेना पड़ा। गंगा पुल पर भी यातायात बाधित रहा, जिसके चलते यातायात पुलिस ने संवेदनशील मोड़ों पर सतर्कता बढ़ा दी है और वाहन चालकों को लेन अनुशासन का पालन करने की हिदायत दी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में 78 प्रतिशत आर्द्रता और 3 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने वाली पछुआ हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों तक कोहरे और ठंड का यह दौर जारी रह सकता है। कड़ाके की ठंड के चलते लोग सुबह गर्म कपड़ों, स्वेटर और शॉल में लिपटे नजर आए। सार्वजनिक स्थानों और चाय की दुकानों पर अलाव के इर्द-गिर्द भीड़ देखी गई। ठंड का असर धार्मिक स्थलों और पार्कों में भी दिखा, जहां नववर्ष के उत्साह के बावजूद सुबह की सैर करने वालों और श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भी खेतों में काम करने के दौरान गलन से परेशान दिखे। जिला प्रशासन ने मौसम की स्थिति को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने अपील की है कि कोहरे के दौरान वाहन अत्यंत धीमी गति से चलाएं। ठंड से बचाव के लिए समुचित गर्म कपड़ों का उपयोग करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संबंधित विभागों को 'अलर्ट मोड' पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति या सड़क दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान की जा सके।

एक्सप्रेस-वे पर छाया कोहरा।

ठंड से बचाव के लिए अलाव तापते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

जयंती पर याद किए गए मौलाना हसरत मोहानी और डॉ. संपूर्णानंद

उन्नाव, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलाना हसरत मोहानी व डॉ. संपूर्णानंद की जयंती उनके चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई। गोष्ठी में वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के कृतित्व को नव निहाल पीढ़ी तक ले जाने का जहां संकल्प किया वही हसरत मोहानी के नाम से बने मार्ग का शिलापट हटाने की निंदा की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मौलाना हजरत मोहानी शायर, पत्रकार व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, अजय गौतम, जंग बहादुर सिंह, शिवम अवस्थी, युसूफ फारुकी, आतिफ हसन किदवई, आशुतोष शर्मा, प्रदीप शर्मा, सुरेश श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश सिंह, युनुस मोहानी सैय्यद सैफ आदि ने संबोधित किया। संचालन संजीव श्रीवास्तव ने किया।

जीरो पावर्टी परिवारों को मिले लाभ

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकासखंड पुरवा की ग्राम पंचायत असहेरु में शीतकालीन भ्रमण के अवसर पर ग्राम चौपाल आयोजित हुई। इसमें डीएम ने जीरो पावर्टी के परिवारों से मौके पर जाकर मुलाकात कर जीरो पावर्टी के इंडिकेटर प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, उज्ज्वला, मनरेगा, जॉबकार्ड, श्रमकार्ड, आयुष्मान कार्ड व पेंशन मिल रही है या नहीं जानकारी ली।

डीएम ने जीरो पॉवर्टी के तहत वंचित परिवारों का प्राथमिकता से चयन कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिये। उन्होंने पेंशन योजना के कैंप का अवलोकन कर कन्या सुमंगला व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों के सत्यापन पर जोर दिया। उन्होंने बेसिक शिक्षा के होनहार बच्चों को प्रशस्तिपत्र व पठन सामग्री देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, एसडीएम पुरवा आदि अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● डीएम की अध्यक्षता में हुआ ग्राम पंचायत चौपाल का आयोजन

3 माह में ऋण जमा करने पर लिया जाएगा साधारण ब्याज

उन्नाव, अमृत विचार : जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) मनोज कुमार ने बताया है कि उप्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं के अधिदेय ऋणों की वसूली हेतु नवीन एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को 1 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक बढ़ाया गया है। योजनाओं हेतु स्वीकृत ऋण की धनराशि पर निर्धारित ऋण वसूली अवधि (स्वत: रोजगार योजना व स्वछकार योजना में 36 माह व अनुविनि की योजना में 60 माह देय किश्त का ही साधारण ब्याज लिया जायेगा। शेष अवधि का सम्पूर्ण चक्रवृद्धि/दंड ब्याज माफ कर दिया जायेगा। निगम के ऋण बकायेदारों को सूचित किया कि वह बकाया कर्जा जमा कर लाभ पाने हेतु निगम के जनपदीय कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

बिगड़े मौसम से ट्रेनों की चाल अस्त-व्यस्त

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड व घने कोहरे के चलते ट्रेनों की चाल भी अस्त-व्यस्त है। रात में आने वाली ट्रेनें दिन में और दिन में आने वाली ट्रेनें शाम तक स्टेशन पहुंच रही हैं। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ रही ट्रेन लेटलतीफी से यात्रियों का सफर मुश्किल हो गया है।

घने कोहरे व प्रचंड ठंड ने ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दी है। शुक्रवार दोपहर छपरा से आनंद विहार जा रही अमृत भारत ट्रेन दोपहर 12 बजकर 12 मिनट पर गंगाघाट रेलवे स्टेशन की अपलाइन पर पहुंची। आगे सिग्नल न मिलने से ट्रेन करीब 34 मिनट स्टेशन पर खड़ी रही। स्टेशन मास्टर के अनुसार आगे एक अन्य ट्रेन के गुजरने के कारण अमृत भारत को रोका गया था। इसके अलावा झांसी पैसेंजर व मेमो भी दोपहर ढाई बजे तक स्टेशन नहीं पहुंच सकी। जिससे यात्रियों को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते कई यात्री मजबूरी में निजी साधनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए, जबकि कुछ यात्रियों ने घंटों इंतजार के बाद सड़क मार्ग से यात्रा करना उचित समझा।

स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री। ● अमृत विचार

● 4 से 5 घंटे देरी से पहुंच रहीं ट्रेनें यात्रियों को हो रही दिक्कत

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

उन्नाव, अमृत विचार: अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा बांग्लादेश में हिन्दुओं की हो रही हत्या के विरोध में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया। इसमें प्रधानमंत्री से मांग की गई कि बांग्लादेश के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएं। महासभा के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में निराला प्रेक्षागृह से प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित व राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ कथित रूप से हो रहे अत्याचारों का विरोध जताया।

ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से आग्रह किया गया कि जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर चलाया गया उसी प्रकार बांग्लादेश के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष पीके सिंह ने चेतावनी दी कि यदि हिन्दुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों को नहीं रोका गया तो अखिल भारत हिन्दू महासभा के करोड़ों कार्यकर्ता बांग्लादेश कूच करेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सहित प्रदेश मंत्री ठाकुर राम सिंह, प्रदेश मंत्री महिला प्रकोष्ठ किशोरी त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ प्रीति सिंह, जिलाध्यक्ष किन्नर प्रकोष्ठ वैशाली, जिला संयोजक सुरेंद्र पाटेकर आदि मौजूद रहे।

जिला समिति द्वारा बनाए गए परीक्षा केंद्रों में लगी मोहर

उन्नाव, अमृत विचार : बोर्ड द्वारा बनाए गए केंद्रों को संशोधित करते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता की समिति द्वारा एसबीएम इंटर कॉलेज पूरन नगर, जय किसान इंटर कॉलेज चमियानी, जीजीआईसी पड़री खुर्द, एससीडी इंटर कॉलेज तनगापुर, आरएसयलएस इंटर कॉलेज छोटाखेड़ा, एसबीएम इंटर कॉलेज एबी नगर, एमडीएसएम इंटर कॉलेज गंगाघाट, पतिराजा महिपाल इंटर कॉलेज घाटमपुर खुर्द, सेनानी राम बालक दीक्षित हायर सेकेंडरी स्कूल भदेवना, एसएसजेबी हाईस्कूल कमलापुर बांगरमऊ, ऋषिकुल विद्यापीठ इंटर कॉलेज पुरवा, जयदेवी सुंदरलाल इंटर कॉलेज गुरुदीन खेड़ा जाजामऊ को केंद्र बनाया गया है। जिस पर बोर्ड ने मोहर लगा दी है।

कॉलेज संस्थापक की जयंती पर छात्र पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: आज व्यक्ति सीमित होता जा रहा है। पूर्वज जो किये हैं उनकी स्मृतियां बची रहती हैं। आज हम सबको जो कुछ मिला है वह सब पुरानी पीढ़ी की ही देन है। ऐसे कार्यक्रम समाज को दिशा देने का काम करते हैं। यह बातें शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने भगवंतनगर कस्बा स्थित श्याम राजकुमारी जगन्नाथ सिंह सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज के संस्थापक रणजीत सिंह की 102वीं जयंती कार्यक्रम में कहीं।

मुख्य वक्ता फाउंडेशन अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह व शिक्षक रमेश सिंह ने कहा कि विद्यालय के संस्थापक रंजीत सिंह आदर्श शिक्षक होने के साथ परोपकारी भी थे। जिन्होंने अपने मित्र शिक्षक साथी राम श्रृंगार सिंह को वेतन न मिलने पर उनकी आर्थिक मदद अपनी पूरे सेवाकाल में की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती व रंजीत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की। इसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। विद्यालय परिवार द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतीकचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं संस्था द्वारा निराश्रितों को कंबल बांटे गए। अध्यक्षता ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने व संचालन प्रधानाचार्य योगेन्द्र कुमार ने किया।

मेधावी छात्रों को सम्मानित करते शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल।

शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : पहचान छुपाकर युवती से संबंध बनाने व भेद खुलने पर शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। हालांकि युवक को पूर्व में पुलिस ने जेल भेजा था। लेकिन युवती ने एक वीडियो वायरल कर युवक के जमानत पर बाहर आने के बाद धमकी व सुलह के दबाव बनाने का आरोप लगाया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें वह अपने को बिहार प्रांत की निवासी बता रही है। उसके मुताबिक इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी सुनील नाम के युवक से दोस्ती हुई। वह अपने को हिंदू बता बात करता रहा। बाद में वह शादी करने के लिए भी राजी हो गया। इस पर घरवालों को बिना बताए जनवरी 2025 में वह उसके पास आ गई। युवक उन्नाव में ही एक दवा कंपनी में काम करता था। उसने उसे तालिब सराय मोहल्ले में किराए के घर में रखा। बाद में पता चला कि उसका नाम सैय्यद अब्दुल मन्नान है और वह फतेहपुर जिले के कोतवाली खागा के गांव हैबतपुर का निवासी है। युवती के मुताबिक उसने निकाह पढ़ने के लिए दबाव बनाया न पढ़ने पर मारपीट करता था। 30 फरवरी 2025 को बहुत मारा तो पुलिस को सूचना दी। रिपोर्ट दर्ज हुई और वह जेल गया। अब वह जमानत पर बाहर है। पीड़िता के मुताबिक 27 अक्टूबर-2025 को युवक ने रास्ते में उसका बैग छीन लिया और मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि मामला जानकारी में है। आरोपी बाहर है और कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। युवती को बुलाया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनी हसरत मोहानी की जयंती

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, प्रखर पत्रकार व प्रसिद्ध शायर मौलाना हसरत मोहानी की 150वीं जयंती हसरत मोहानी पुस्तकालय धवन रोड उन्नाव में उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर देश की आजादी में उनके योगदान को याद किया गया।

मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता व यश भारती सम्मान से सम्मानित प्रमुख समाजसेवी फारूक अहमद ने कहा कि हसरत मोहानी वही शख्सियत थे जिन्होंने पहली बार 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया था। जो आगे चलकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बड़ा मंत्र बना। स्थानीय शायरों ने उनकी प्रसिद्ध गजल "चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है..." को गुनगुनाकर उन्हें खिराज-ए-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। कार्यक्रम में उन्हें भारत रत्न दिए जाने की भी मांग उठाई। इस मौके पर अरविंद श्रीवास्तव, मुकेश यादव, प्रवीन मिश्रा भानू, समाज सेविका गौसिया खान, डॉ. राम नरेश, दिनेश प्रियमन, हारुन अहमद, मो. अहमद, फजलुर्रहमान, रहमतुल्ला खान एडवोकेट, अजमल एडवोकेट, सैय्यद सगीरुल हसन मुन्ना भाई, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि फारूक अहमद। ● अमृत विचार

बोर्ड ने अंतिम सूची प्रकाशित की, 122 परीक्षा केंद्र बनाए

उन्नाव, अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटर परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 122 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। जनपदीय समिति द्वारा एक दर्जन विद्यालयों को संशोधित किया गया था। इस पर 22 दिसंबर को सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आपत्तियां मांगी थीं। उनका निवारण करते हुए अब बोर्ड सचिव द्वारा 122 परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी है।

डीआईओएस सुनील दत्त ने कहा कि अंतिम सूची का प्रकाशन बोर्ड की वेबसाइट पर कर दिया गया है। राजकीय विद्यालयों के परीक्षा केंद्रों में 10 की जगह 11 व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में संख्या 50 की जगह 48 रह गई। बोर्ड द्वारा बनाए गए दो केंद्र हटा दिये गये। जबकि असहायता प्राप्त (वित्तविहीन) माध्यमिक विद्यालयों के बोर्ड द्वारा बनाए 62 विद्यालयों की जगह 63 कर दिए गए। 10 केंद्र नए बना दिए गए हैं।

बता दें कि जिले में 414 माध्यमिक विद्यालयों में 122 विद्यालय को केंद्र बनाया गया है। जिसमें हाईस्कूल के 39163 व इंटर के 31245 परीक्षार्थी समेत कुल 70408 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में बैठेंगे।

जटिल सर्जरी कर बचाई महिला की जान

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: यूट्रस के गंभीर रोग से ग्रसित महिला की जटिल सर्जरी कर महिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसकी जान बचाई। महिला सीएमएस की देखरेख में हुई सर्जरी के बाद महिला अब पूर्ण स्वस्थ है।

बता दें कि बाराबंकी के बाराहुवान गांव निवासी तिलकराम की 43 वर्षीय पत्नी सविता रक्तस्राव की बीमारी से बीते तीन साल से ग्रसित थी। कई जगह इलाज कराने के बाद सविता अपने मायके उन्नाव आई। जहां उसने जिला महिला चिकित्सालय में डॉक्टर से अपने रोग के संबंध में सलाह ली। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। जिसकी रिपोर्ट में यूट्रस बढ़े होने के साथ संक्रमण का पता चला। चिकित्सकों के अनुसार यदि इसकी समय से सर्जरी न हो तो मरीज को कैंसर होने का खतरा है। डॉ. निधि अग्रवाल ने मरीज व उसके परिजनों को सर्जरी की सलाह दी। लेकिन भय वस परिजन राजी नहीं हुए। डॉक्टरों की टीम करीब 1 साल तक काउंसिलिंग कर उसे समझाती रही। इसके बाद सविता व उसके परिजन सर्जरी के लिए तैयार हुए। इस पर सर्जरी से पूर्व जरूरी जांचें कराकर सीएमएस डॉ. फौजिया अंजुम नोमानी व डॉ. निधि दुबे ने एनेस्थीसिया के डॉ. पवन अग्रवाल व ओटी टीम के साथ महिला की जटिल सर्जरी कर उसका सफल इलाज किया। सीएमएस के मुताबिक अब महिला खतरे से बाहर है।

ओटी में मौजूद सीएमएस व डॉक्टरों की टीम।

● महिला अस्पताल के चिकित्सकों ने सीएमएस की देखरेख में रचा इतिहास

तैयारी

श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए पश्चिमी घाटों से गंगा में छोड़ा गया पानी

माघ मेले को लेकर छोड़े गए पानी से गंगा का जलस्तर बढ़ा

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: प्रयागराज में आयोजित माघ मेले व पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर गंगा में जलस्तर बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को पश्चिमी घाटों से गंगा में पानी छोड़ा गया। इसका सीधा असर शुक्लागंज क्षेत्र में भी देखने को मिला। जलस्तर बढ़ने से गंगा में भारी मात्रा में जलकुंभी बहकर आ गई है। जिससे नदी का प्रवाह प्रभावित नजर आ रहा है।

पौष पूर्णिमा पर माघ मेले का पहला प्रमुख स्नान होने से बैराज बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। इसका उद्देश्य गंगा के प्रदूषित जल को बहाकर आगे निकालना व स्नानार्थियों को साफ व निर्मल जल उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने से गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 108.600 मीटर दर्ज किया गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह आठ बजे जलस्तर बढ़कर 108.630 मीटर पहुंच गया, जबकि दोपहर एक बजे यह 108.680 मीटर मापा गया। जलस्तर में हुई इस वृद्धि के चलते नदी में जलकुंभी की मात्रा काफी बढ़ गई है, जो बहकर शुक्लागंज तक पहुंच रही है। वहीं जलस्तर बढ़ने से रेलवे पुल से लेकर पुराने यातायात पुल के बीच गंगा के किनारे कटान की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। स्थानीय लोगों में कटान को लेकर चिंता बढ़ गई है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से बहकर जाती जलकुंभियां। ● अमृत विचार

पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर पालिका ने घाटों की कराई साफ-सफाई

शुक्लागंज, उन्नाव : पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर नगर पालिका ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुक्रवार को पालिका द्वारा नगर के सभी गंगाघाटों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई। स्नान पर्व को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। पौष पूर्णिमा के मद्देनजर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश मिश्रा व स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला ने नगर के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। इसके बाद पुराने यातायात पुल से लेकर बालूघाट तक अतिरिक्त सफाई कर्मी लगाकर घाटों की विशेष सफाई कराई गई। गंगाघाटों से कूड़ा-कचरा हटाकर स्वच्छता सुनिश्चित की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी प्रमुख घाटों पर चेंजिंग रूम, पीने के पानी के टैंकर व मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पौष पूर्णिमा के दिन सभी घाटों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। कड़ाके की सर्दी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका की ओर से घाटों पर अलाव की भी व्यवस्था कराई गई है, ताकि स्नान के बाद श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके।

पौष पूर्णिमा को लेकर हुई घाटों की सफाई।

54 शिक्षकों ने मानव संपदा पोर्टल पर ग्रहण किया कार्यभार

उन्नाव, अमृत विचार : जिले में संचालित एकल शिक्षकों वाले विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों वाले विद्यालयों से कनिष्ठ शिक्षकों को समायोजित (स्थानांतरित कर) कर जिले में 54 शिक्षकों को खंड शिक्षाधिकारियों ने 31 दिसंबर को ही मानव संपदा पोर्टल पर कार्य भार ग्रहण करा दिया। उच्च अधिकारियों के आदेश के चलते 31 दिसंबर 2025 तक एकल विद्यालयों को भरे जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए नजदीक के विद्यालयों के सरप्लस शिक्षकों को समायोजन के लिए बीएसए ने रविवार को सभी खंड शिक्षाधिकारियों की बैठक बुलाकर नजदीक के विद्यालयों मैं समायोजित करने के निर्देश दिए थे। कहा था कि जो एकल विद्यालय हैं वहां उसके पड़ोस के ऐसे विद्यालय के शिक्षकों को स्थानांतरित किया जाए जहां शिक्षक अधिक हैं। सबसे पहले ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत व ब्लॉक स्तर पर उन्हें समायोजित किया जाए। बीएसए शैलेश पांडे ने बताया कि जिले में 27 प्राइमरी व 14 उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा 13 कंपोजिट विद्यालयों से सरप्लस शिक्षकों को एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में समायोजित किया गया है। वहां के कनिष्ठ अध्यापक को स्थानांतरित किया गया है और खंड शिक्षाधिकारियों को स्थानांतरण आदेश देते हुए संबंधित शिक्षकों को मानव संपदा पोर्टल पर 31 दिसंबर को ही कार्यभार ग्रहण करा दिया गया है। बता दें कि बेसिक विद्यालयों में शीतकालीन अवकाश 14 जनवरी तक है इसके चलते जब 15 जनवरीको विद्यालय खुलेंगे तो नए स्कूलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

न्यूज ब्रीफ

बेमानक चल रहीं दो बसों को किया सीज

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। एसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर कोतवाली पुलिस व एआरटीओ की संयुक्त टीम ने डग्गामार वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित दो स्लीपर बसों को सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। कोतवाली पुलिस व एआरटीओ की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को हरदोई मार्ग पर आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे अंडरपास के निकट अवध ढाबा के पास इशू ट्रैवेल्स व राजरथ की दो स्लीपर बसों की जांच की। इसमें दोनों बसों के चालक वैध परमिट प्रपत्र नहीं दिखा सके। टीम ने दोनों बसों पर कार्यवाही कर उन्हें सीज कर दिया। टीम का नेतृत्व कर रहे कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलता रहेगा।

घर में करंट लगने से छात्र की मौत

हरदोई, अमृत विचार। पिता के ई-रिक्शे की बैट्री चार्ज होने के दौरान वहां खेल रहा उसका बेटा करंट की चपेट में आ गया, जिसे सीएचसी बावन पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बेहटा गोकुल थाने के मानपुर निवासी राजीव ई-रिक्शा चलाता है। उसके तीन बच्चों में दो बेटी और 6 वर्षीय इकलौता बेटा अरुण था। शुक्रवार की दोपहर राजीव ई-रिक्शा लेकर गांव पहुंचा और उसे चार्जिंग पर लगा कर दूसरे कामों में उलझ गया। वहीं पास में अरुण खेल रहा था, उसी बीच उसका पैर चार्जिंग वाले तार पर पड़ा और वह करंट की चपेट में आ गया। सीएचसी बावन लेकर पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

नगर पालिका में निर्माण कार्यों में घोटाले का आरोप

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। नगर पालिका परिषद में कराए गए निर्माण कार्यों को लेकर बड़े स्तर पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। नगर पालिका के कई सभासदों ने जिलाधिकारी अनुनय झा से मुलाकात कर एक विस्तृत लिखित शिकायत पत्र सौंपते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित किए जाने की मांग की है। शिकायत के बाद नगर की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

● सभासदों ने डीएम को दिया शिकायती पत्र, उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग

सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है और नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य कराए गए हैं। ठेकेदारों से मिलीभगत कर अपने रिश्तेदारों, मित्रों और उनके परिजनों को लाभ पहुंचाया गया। शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 86 के अनुसार प्रत्येक माह बोर्ड बैठक होना अनिवार्य है, लेकिन बीते ढाई वर्षों में केवल 7 से 8 बैठकें ही आयोजित की गईं, जिससे विकास कार्यों की समीक्षा और पारदर्शिता प्रभावित हुई।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। डाकघर के पीछे शिव सिंह गेस्ट हाउस के पास बनी सड़क दो बार बनाए जाने के बावजूद बेहद खराब स्थिति में है। कई सीसी और डामर सड़कों के कुछ ही महीनों में उखड़ जाने, घटिया सामग्री के प्रयोग, रोलर और वाइब्रेटर का उपयोग न किए जाने तथा नकली सीमेंट लगाए जाने के आरोप लगाए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण में फर्जी कोटेशन, बिना कार्य कराए भुगतान, दोहरी निविदा प्रक्रिया और एमबी में खानापूर्ति की बात भी सामने आई है।

इसके अतिरिक्त गौशाला में मिट्टी भराई के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग, बिना टेंडर पाइपलाइन और इंटरलॉकिंग कार्य कराने, आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति में नियमों की अनदेखी कर अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने तथा पुराने कर्मचारियों को हटाने के आरोप लगाए गए हैं। सभासदों का कहना है कि अध्यक्ष के परिजनों की दखलअंदाजी से कर्मचारियों में भय का माहौल है। सभासदों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर अध्यक्ष, ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

शाखा प्रबंधक ने दो बकायेदारों पर धोखाधड़ी का दर्ज कराया मुकदमा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। एक बैंक से कर्ज लेने के बाद उसी जमीन पर दूसरे बैंक से पुनः कर्ज लेने के मामले में बैंक मैनेजर में दो बकायेदारों पर धोखाधड़ी का केस तरह दर्ज कराया है। यह केस अदालत के आदेश पर दर्ज किया गया।

आर्यावर्त ग्रामीण बैंक मानपुर के शाखा प्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी के अनुसार श्यामपाल एवं रामचंद्र पुत्रगण शहजादे निवासी मंसूर नगर पोस्ट मानपुर ने 11 सितंबर 2015 को अपनी भूमि बंधक रखकर कर दो लाख 90 हजार रुपए का कर्ज लिया था, जो वर्तमानमें 4,50,088 रूपये हो चुका है। जिसे अदा नहीं किया गया। 24 मई 2018 को उसी भूमि पर स्टेट बैंक की बावन शाखा से श्याम पाल द्वारा कर्ज ले लिया गया जबकि बंधक भूमि को नीलाम करने, बेचने का कर्ज की अदायगी तक कर्जदार को कोई हक नहीं होता है। शाखा प्रबंधक ने पिहानी थाने पर प्रार्थना पत्र लेकर उपरोक्त लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी करने का मुकदमा पंजीकृत करने की अपील की परंतु मुकदमा पंजीकृत नहीं किया गया। तब उसने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर श्याम पाल और रामचंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

कार की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत, 4 घायल

ट्रैक्टर-ट्राली से गन्ना ले कर जा रहा था अजबापुर शुगर मिल, जलालपुर गोपी के पास हुआ सड़क हादसा

संवाददाता, हरदोई, पिहानी

अमृत विचार। लखीमपुर खीरी के अजबापुर शुगर मिल गन्ना लेकर जा रहे ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से कार ने टक्कर मार दी, जिससे चालक उछल कर सड़क पर गिर कर बुरी तरह ज़ख्मी हो गया, साथ ही चार कार सवार भी ज़ख्मी हो गए, उन्हें एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पसगवां भेजा गया, वहां ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि चारों कार सवारों को शाहजहांपुर रिफर कर दिया गया है। पिहानी कोतवाली के डर्रा गांव निवासी 35 वर्षीय अशोक कुमार पेशे से ट्रैक्टर चालक है, शुक्रवार की भोर पहर कोहरे के बीच वह अपने ट्रैक्टर-ट्राली पर गन्ना लाद कर उसे अजबापुर शुगर मिल ले जा रहा था, उसी बीच रास्ते में जलालपुर गोपी के पास उसकी ट्राली में कार ने पीछे से टक्कर मार दी, अशोक उछल कर सड़क पर गिरा और उसके सिर में गहरी चोंट पहुंची, उधर हादसे में चार कार सवार भी घायल हो गए। आनन-फानन में एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पसगवां पहुंचाया, वहां पहुंचते ही अशोक की मौत हो गई। अशोक के परिवार में पत्नी रीना और एक बेटा व एक बेटी है।

हादसे की जांच करती पुलिस व क्षतिग्रस्त वाहन। अमृत विचार

कार की टक्कर से हुई थी जिम संचालक की मौत

हरदोई, माधौगंज, अमृत विचार। बाइक से वापस घर जा रहे ज़िम संचालक को सामने से आ रही ईको कार ने ज़ोरदार टक्कर मार दि, जिससे उसकी वहीं पर मौत हो गई। गुरुवार की देर शाम हुए हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़ कर भाग गया, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए जांच शुरु कर दी है। माधौगंज थाने के हसनपुर ज्यौली निवासी सुंदर लाल के चार बेटों में सबसे छोटा 24 वर्षीय रामवीर ने माधौगंज में जिम सेंटर खोल रखा था। बड़े भाई उमाशंकर ने बताया कि गुरुवार की देर शाम ज़िम सेंटर बंद करने के बाद वह बाइक से घर जा रहा था। उसी बीच माधौगंज-कन्नौज रोड पर सरफदीपुर गांव के पास सामने से आ रही ईको कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे रामवीर की वहीं पर मौत हो गई। हादसा होने के बाद ड्राइवर कार वहीं पर छोड़कर भाग गया। वहां पहुंची पुलिस ने यूपी-35 के नंबर वाली ईको कार को कब्जे में लेते हुए क्लू ढूंढती घूम रही है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

रामवीर की फाइल फोटो।

कार से टकराकर बाइक सवार घायल

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के हरदोई मार्ग पर मिलन ढाबे के निकट तेज रफ्तार बाइक और कार की टक्कर हो गई जिससे तीन बाइक सवार घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के तारा गांव निवासी लवकुश अपने साथी बिरजू तथा टड़ियावा के हेमराज के साथ शुक्रवार शाम बाइक से शाहाबाद से जा रहे थे। मिलन ढाबे के पास पीछे से आ रही कार से टक्कर हो गई जिससे तीनों घायल हो गए।

समाजसेवी ने सैकड़ों लोगों को बांटे कंबल

बांगरमऊ, अमृत विचार। खंभौली स्थित रत्नेश्वर बाबा मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को कंबल वितरण का आयोजन हुआ। समाजसेवी पिंकल सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कड़ाके की ठंड को देखते हुए करीब 500 जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक सिंह पटेल ने बुजुर्गों व जरूरतमंदों को कंबल ओढ़ाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा ही वास्तविक ईश्वर सेवा है। उन्होंने आयोजक पिंकल सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा से बढ़कर संसार में कोई दूसरा पुण्य कार्य नहीं है।

लापरवाही पर अधिकारी का रोका वेतन

हरदोई, अमृत विचार। सीडीओ सान्या छाबड़ा ने ग्राम ब्लाक अहिरोरी की ग्राम पंचायत कसमण्डी के मजरा समरेहटा में आयोजित ग्रामीण चौपाल में प्रतिभाग किया। उन्होंने जन सामान्य की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अस्थायी गौ आश्रय स्थल गदनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। ग्रामीण चौपाल में अवर अभियंता जल निगम के अनुपस्थित रहने तथा गौशाला गदनपुर में निरीक्षण के समय पूनम वर्मा, पशुधन प्रसार अधिकारी के गौशाला में अनुपस्थित पाये जाने व उनके द्वारा गौशाला का नियमित निरीक्षण न करने पर एक दिन का वेतन बाधित करते हुए आरोप पत्र निर्गत किए जाने के निर्देश अधिशासी अभियंता, जल निगम एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिये गये।

ग्रामीण चौपाल में सीडीओ ने विभिन्न पेंशन योजनाओं के अन्तर्गत ग्रामीणों को प्राप्त होने वाली धनराशि, परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों की तैनाती एवं शिक्षण कार्य व एमडीएम, निशुल्क पुस्तकों का वितरण एवं डी0बी0टी0 की धनराशि के बारे में जानकारी की। आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से वितरण होने वाले पोषाहार, राशन वितरण, फार्मर रजिस्ट्री, फेमली आई0डी0, आयुष्मान कार्ड बनाये जाने की स्थिति के बारे में जानकारी की गयी तथा कोटेदार को एक सप्ताह में अवशेष पात्र व्यक्तियों शत-प्रतिशत कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिये गये। ग्राम पंचायत सचिवालय समरेहटा में स्थापित लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के निर्देश सीडीओ ने दिए। मौके पर उपस्थित कुछ छात्रों द्वारा हिन्दी में पुस्तकें उपलब्ध कराने एवं विभिन्न मोबाइल नेटवर्क की कनेक्टीविटी ठीक कराने का अनुरोध किया गया। सीडीओ ने जिला प्रबन्धक दूर संचार को ग्राम पंचायत कसमण्डी के शासकीय भवनों में बीएसएनएल इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिए।

निरीक्षण में जानकारी लेती सीडीओ सान्या छाबड़ा। अमृत विचार

बालिका से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। चचेरी बहन के साथ बथुआ खोटने गई बालिका को सरसों के खेत में खींचकर जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी को तलाश रही पिहानी पुलिस ने 24 घंटे के अंदर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। दरअसल दुष्कर्म के आरोपी ने घेराबंदी होने पर पुलिस के ऊपर गोली चला दी, जवाब में पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली उसके बाएं पैर में जा लगी और उसके वहां गिरते ही पुलिस ने दबोच लिया। पिहानी कोतवाली के एक गांव की 8 वर्षीय बालिका गुरुवार की शाम अपनी हमउम्र चचेरी बहन के साथ कोहरा गांव बथुआ खोटने गई हुई थी। उसी बीच अकोहरा गांव निवासी मुनेंद्र उसे सरसों के खेत में खींच ले गया और दुष्कर्म किया और धमकी देकर चला गया। पुलिस ने बालिका की मां की तहरीर पर मुनेंद्र के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी। शुक्रवार को एसएचओ पिहानी छोटे लाल अपनी टीम-10 के साथ गश्त पर थे। उसी बीच पता चला कि दुष्कर्मी महोलिया की तरफ जंगलों से होते हुए हसैयामऊ मोड़ की तरफ जा रहा है, पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोकना चाहा, लेकिन उसने गोली चला दी, बचाव में पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली उसके बाएं पैर में लगी और उसके गिरते ही पुलिस टीम ने दबोच लिया। जामा तलाशी के दौरान मुनेंद्र के पास से तमंचा, कारतूस और कारतूस का खोखा बरामद किया है।

युवक की हत्या के आरोपी पिता व पुत्र भेजे गये जेल

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। बीते मंगलवार मौरावां थानाक्षेत्र के पारा गांव सहन की भूमि को लेकर विवाद में पिता-पुत्र ने पड़ोसी युवक की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या की थी। भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। शुक्रवार को पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बता दें कि पारा गांव में इंद्र बहादुर (45) का पड़ोसी सोहन से घर के सामने पड़ी सहन की जमीन को लेकर विवाद था। मंगलवार दोपहर भी सहन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ। इसके बाद सोहन व उसके बेटे तेज बहादुर ने मारपीट शुरू कर दी। इंद्र बहादुर जान बचा भागा तो पिता-पुत्र ने उसे दौड़ाकर पैर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। इससे वह गिर गया। इसके बाद सिर व चेहरे पर कुल्हाड़ी से तीन वार कर उसकी हत्या कर दी। शुक्रवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के बाबाखेड़ा गांव की सड़क पर बनी पुलिया के पास पिता-पुत्र को पकड़ लिया। एसओ ने बताया कि उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की गई।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी।

नगर पंचायत ने कई जगह जलवाये अलाव

औरास उन्नाव, अमृत विचार। औरास कस्बा में शीतलहर को देखते हुए नगर अध्यक्ष राकेश कुमार द्वारा चौराहे पर कई जगह अलाव जलाए गए। जिससे शीतलहर में कस्बा वासियों को ठंड से राहत मिल सके। जिसे लेकर नगर पंचायत द्वारा मुख्य चौराहा, चंद्र शेखर आजाद चौराहा व कस्बा के अंदर अलाव की व्यवस्था कराई गई है। इसमें कस्बा वासियों व राहगीरों को शीतलहर से बचाव के लिए अलाव पर्याप्त मात्रा में डाला जा रहा हैं। अलाव जलने से लोगों ने राहत की सांस ली और नगर पंचायत को धन्यवाद दिया है।

जिलाधिकारी के भ्रमण से पहले एसडीएम ने परखीं व्यवस्थाएं

फतेहपुर चौरासी उन्नाव, अमृत विचार। आगामी 5 जनवरी को विकासखंड की ग्राम पंचायत कठिघरा में जिलाधिकारी गौरांग राठी का शीतकालीन भ्रमण कार्यक्रम होना है। इसके मद्देनजर शुक्रवार को एसडीएम बांगरमऊ बृजमोहन शुक्ला नें गांव पहुंचकर वहां बने गौवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। जिसमें गोवंश के लिए भूसा, हरा चारा, पानी, साफ-सफाई व ठंड से बचाव के लिए जूट से बने बोरे की झूल तिरपाल आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांव में कराए गए विकासकार्यों की भी जानकारी ली। गांव में जिलाधिकारी के शीतकालीन भ्रमण से पूर्व एसडीएम ने पूरी ग्राम पंचायत का बारीकी से निरीक्षण कर तसल्ली की। ताकि जिलाधिकारी के आने पर कोई कमी न रह जाए।

आंबेडकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास, फैला आक्रोश

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के नेवादा गांव स्थिति बौद्ध स्थल पर स्थापित आंबेडकर प्रतिमा को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। इससे बौद्ध अनुयायियों में भारी आक्रोश है। बिगड़ते माहौल को पुलिस ने किसी तरह संभाला।

बता दें कि नेवादा गांव में बौद्ध स्थल स्थित है। जहां संत रविदास, संविधान शिल्पी बाबा भीमराव आंबेडकर सहित कई महापुरुषों की प्रतिमायें स्थापित हैं। बीती गुरुवार दोपहर जब ग्रामीण बौद्ध स्थल पहुंचे तो देखा कि आंबेडकर प्रतिमा पर किसी ने ईंट पत्थरों से प्रहार कर उसे छतिग्रस्त करने का प्रयास किया था। जानकारी पर बौद्ध अनुयायियों में आक्रोश फैल गया। भारी संख्या में बौद्ध अनुयायियों की भीड़ वहां पहुंचने लगी। स्थित बिगड़ती देख ग्राम प्रधान आशीष सिंह ने बेहटा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाकर किसी तरह मामला शांत कराया। पुलिस के मुताबिक अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्रार्थनापत्र मिला है। जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस।

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते सपाई।

सपा प्रदेश अध्यक्ष का किया जोरदार स्वागत

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ से कन्नौज जाते समय सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने एक्सप्रेस-वे पर रोककर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कि मजबूती का आधार मतदाता सूची है। सभी से अपने-अपने क्षेत्रों में नए मतदाताओं को जोड़ने का अभियान तेज करने और हर बूथ को मजबूत बनाने की अपील की। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से संगठनात्मक तैयारी में जुटना जरूरी है।

कृभको
राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ (उ.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक : 03.01.2026

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) अपने राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ की साफ़ -सफाई ,रख –रखाव, गार्डनिंग के लिए हाउसकीपिंग एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए टेंडर आमंत्रित करता है। आवश्यकता निम्न है-

1- सफाई कर्मचारी- 2 (0800 to 1700 Hrs)
2- माली – 1 (0800 to1700 Hrs)

टेंडर फॉर्म एवं अन्य जानकारी कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड राज्य विपणन कार्यालय टी. सी. 28 विभूति खंड गोमती नगर-लखनऊ -226010 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (दूरभाष - 7289998299)। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 03.01.2026 समय 12.00 PM है। प्राप्त निविदाये 03.01.2026 को दोपहर 2.30 बजे उपस्थित पार्टियों के समक्ष खोली जाऐंगी।

किसी भी निविदा या समस्त निविदाओं को स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार कृभको प्रबंधन के पास सुरक्षित है।

राज्य विपणन प्रबंधक
राज्य विपणन कार्यालय
टी. सी. 28 विभूति खंड
गोमती नगर - लखनऊ-226010

लखनऊ नगर निगम
टी.एन. मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ईमेल–आईडी–nnlko@nic.in
ई–टेण्डर पोर्टल–https://etender.up.nic.in

ई–निविदा सू०सं०: 306/मु0अ0/2025–26 दिनांक: 02.01.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा दू–बिड सिस्टम पर दिनांक 22.01.2026 को 01 कार्य हेतु ई–निविदा, ई–निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन किया जायेगा। ई–निविदा दिनांक 22/01/2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई–निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें दिनांक 22.01.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई–निविदा यो स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्ते यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य अभियन्ता
लखनऊ नगर निगम

कार्यालय: भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इटियाथोक गोण्डा –4

पत्रांक/ /भू0सं0अ0/कार्या0भवन/भण्डार/2025–26/ दिनांक

कार्यालय आदेश

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्थान इटियाथोक जनपद गोण्डा में कार्यालय स्थापना के लिये 1000 से 1300 वर्ग फुट कारपेट एरिया वाले भवन जिसमें कम से कम 4 से 5 कमरे, शौचालय, बाथरूम तथा जीप खड़ी करने हेतु गैरज हो कार्यालय भवन किराये पर लेने की आवश्यता है। मानको को पूर्ण करने वाले इच्छुक भवन स्वामी अपनी सहमति पत्र एवं भवन मानचित्र सहित प्रस्ताव भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग गोण्डा–4 पता 249 सिविल लाइन्स जनपद गोण्डा सिंचाई विभाग के सामने कार्यालय में प्रेषित करे।

शर्त–: शौचालय बाथरूम तथा गैरज पीने का पानी किराया देय नहीं होगा तथा जिला अधिकारी गोण्डा द्वारा प्रदत्त औचित्य प्रमाण पत्र आधार पर किराया देय होगा।

UP – 243387 दिनांक: 01/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

भूमि संरक्षण अधिकारी
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
इटियाथोक गोण्डा –4

कार्यालय
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी।

पत्र संख्या– 2640/ HWC/ 2025–26 दिनांक– 29/12/2025

–संशोधित विज्ञप्ति –

यह सूचित किया जाता है कि दिनांक–06 दिसम्बर 2025 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति सं0 2375/HWC/2025–26 दिनांक–28.11.2025 में कुछ त्रुटियां पाई गई, जिनमें निम्नवत सुधार कर दिया गया है।

संशोधन विवरण

बिन्दु–1

योग सहायक के एक पद हेतु पूर्व निर्गत शासनादेशों के अनुसार प्रचलित व्यवस्था के अन्तर्गत वांछित योग्यता निम्नवत प्रकाशित हुई थी।

हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट के उपरान्त योग में न्यूनतम तीन माह का सर्टिफिकेट कोर्स एवं नेचुरोपैथी क्लीनिक/अस्पताल या योग सेन्टर में कार्य का तीन वर्षीय अनुभव हो।

अथवा

इण्टरमीडिएट या समकक्ष योग्यता के उपरान्त योग सेण्टर/नेचुरोपैथी सेण्टर/आयुष चिकित्सालय जिसमें स्वस्थवृत्त एवं योग से सम्बन्धित क्लीनिक (बहिरंग) में कार्य करने का दो वर्षीय अनुभव हो।

संशोधित पाठ

शासनादेश सं0–आ0मि0–110/96–आयुष–2–2020–127/2016 आयुष अनुभाग–2 दिनांक–11.10.2020 के अनुसार इण्टरमीडिएट या समकक्ष योग्यता के उपरान्त योग सेण्टर/नेचुरोपैथी सेण्टर/आयुष चिकित्सालय जिसमें स्वस्थवृत्त एवं योग से सम्बन्धित क्लीनिक (बहिरंग) में कार्य करने का दो वर्षीय अनुभव हो।

बिन्दु–2

योग सहायक के पद हेतु आबद्धीकरण हेतु रिक्त पदों की संख्या महिला–01 के स्थान पर महिला/पुरुष–01 पढ़ी जाये।

उपरोक्त संशोधन के साथ विज्ञप्ति को अद्यतन माना जाये।

UP – 243384 दिनांक: 01/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 वीनम यादव)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला आयुष समिति/
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी,
बाराबंकी।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम ISLAM ALI USMAN ALI था जिसे बदलकर अब मैंने ISLAM ALI रख लिया है। अब मुझे ISLAM ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O USMAN ALI, ADD-H.No.-265 B, KHUDEPUR, POST-SINGHA CHANDA, TARABGANJ, GONDA-271403

सूचना

मैं श्रीरामसुत रामलखन निवासी ग्राम रानीगंज, मजरे दौलतपुर लोनहट, पोस्ट रानीगंज, थाना माले सुलतान शहीद स्मारक, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी उ0प्र0, मेरे दो पुत्र क्रमशः आशू व पियूष है जिसमें से छोटे पुत्र पियूष का चाल–चलन ठीक नहीं है वह पूरे परिवार को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहता है और किसी के समझाने–बुझाने का उस पर कोई असर नहीं होता है। पियूष की गलत व बेजा चाल–चलन व अनैतिक आचरण के कारण मैने उससे अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। पियूष द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा, उससे मेरा व मेरे परिवार के लोगों से कोई लेना–देना नहीं है। मै उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से अपने छोटे पुत्र पियुश को बेदखल कर रहा हूँ।

सूचना

मैने अपना नाम ANJUM HAMEED से बदलकर ANJUM KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/O-HAMEED KHAN ADD-H-No-253/41, MALIHABAD HOUSE, OPPOSITE PUBLIC LAUNDRY, NADAN MAHAL ROAD, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MU AFJAL से बदलकर MOHD AFJAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MOHD SHAHID ADD-106, TIYARI MACHHARAULI, DIST-SULTANPUR-228119 (U.P.)

NOTICE

I, RANJANA OJHA, WIFE OF MR. ASIF AHMAD SIDDIQUI, R/O- FLAT NO. A1, FAIZABAD ROAD, SARAY HASAN GANJ, DALI GANJ, P.O.-NIRALA NAGAR, LUCKNOW, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO AYASHA, AND HENCEFORTH I SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS AYASHA.

सूचना

मैं TRIBHVAN पुत्र श्री राम अचल, निवासी–39, लालपुर भलुहिया, सादुल्लाह नगर, बलरामपुर उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना बदलकर TRIBHAWAN NISHAD रख लिया है, अतः आज से मुझे TRIBHAWAN NISHAD के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करता है कि मेरे पुत्र का सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा पुत्र श्री अनिल कुमार मिश्रा जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित हैं, त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0 8147 5236 4116 में उसका नाम सबल अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा पुत्र अनिल कुमार मिश्रा निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा व थाना व तहसील रुदौली जनपद अयोध्या उ0प्र0 के नाम से जाना व पहचाना जाय। **अनिल कुमार मिश्रा पुत्र दिवाकर मिश्रा निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा व परगना व तहसील रुदौली जनपद अयोध्या उ0प्र0**

नीलामी सूचना

दिनाँक 08–01–2026 अपरान्ह 3.00 बजे वेतन लेखा कार्यालय (अन्य श्रेणी) राजपूत रेजीमेन्ट सेन्टर, किला घाट, फतेहगढ़, छावनी में अनुपयोगी/निष्प्रयोज्य घोषित कार्यालय फर्नीचर, अन्य सामग्रियों की नीलामी, सिक्योरिटी रु0–10,000/– बैकड्राफ्ट "PCDA (ARMY) LUCKNOW" के नाम, जी. एस. टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी।
आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स – 9919503110,

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राथह्न का नाम परिवार रजिस्टर, खतौनी व निवास प्रमाण पत्र में राम बहादुर पुत्र शिवप्रसाद दर्ज है जबकि आधार कार्ड में प्राथह्न का नाम गोली पुत्र शिव प्रसाद अंकित है। दोनों नाम प्रार्थी का ही है। प्रार्थी को अब राम बहादुर पुत्र शिव प्रसाद के नाम से जाना पहचाना जाए। **प्रार्थी राम बहादुर पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम–चौहट्टा, पोस्ट–झालीधाम, परगना, तहसील व जिला–गोंडा (उप्र)**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी के पिता राम खेलावन पुत्र सुखराज का चाल चलन ठीक नही रहता है उम्र अधिक होने के कारण उनकी सोचने समझने की क्षमता क्षीण हो चुकी है बीमार रहते उनका मानसिक संतुलन भी ठीक नही रहता ऐसी स्थित में अगर कोई भी व्यक्ति शपथी के पिता राम खेलावन की चल अचल संपति पैतृक या बाहरी का हिबानामा वसीयत बैनामा दानपत्र या किसी भी प्रकार की लिखा पढ़ी करवाता है तो वह मान्य नही होगा लिखाने वाला व्यक्ति इसका स्वंय जिम्मेदार होगा। रामकुमार पुत्र रामखेलावन ग्राम पूरे कांशीराम मजरे डोभियारा पर0 इसौली तह0 बल्दीराय सुलतानपुर

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

आवास के बदले वसूली का आरोप

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के बक्सापुर निवासी ग्रामीणों ने पंचायत मित्र पर आवास के बदले 20-20 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बक्सापुर पोस्ट कुइयां निवासी रामश्री पत्नी चिरकू व राजवती पत्नी रामसहाय सहित अन्य ग्रामीणों ने पंचायत मित्र नन्दकिशोर व सुन्दरलाल निवासी ग्राम दौलतपुर पोस्ट कुइयां पर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्र में बताया कि पंचायत मित्र नन्द किशोर व सुन्दरलाल के द्वारा 20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से लेकर आवास दिया गया और बाद में आवास सौन्दर्यीकरण के पैसों को भी लाभार्थियों के खातों से निकलवा लिया, जिसे मांगे जाने पर पंचायत मित्र द्वारा अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया जाता है।

पूर्व विस उपाध्यक्ष की मनाई गई पुण्यतिथि

मल्लावां, हरदोई। कस्बे के बी एन इंटर कॉलेज भगवंतनगर में मल्लावां क्षेत्र से कई बार विधायक व विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे राम आसरे वर्मा की 14वीं पुण्यतिथि मनाई गई। उनकी पुत्री मीना वर्मा व उनके समर्थकों ने मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सपा नेता बृजेश वर्मा टिल्लू, विप्र कुमार कनौजिया, प्रधानाचार्य अरुण बाजपेयी, विनीत वर्मा, पंकज कुमार सिंह, डॉ मीना वर्मा ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

डीएम ने जन सुनवाई में सुनीं शिकायतें

हरदोई, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। आज जन सुनवाई मे शुक्रवार को कुल 37 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये।

जीवन का असली उद्देश्य ही लोगों की मदद करना है

शिवराज सिंह की 7वीं पुण्यतिथि व आलोक सिंह की पुण्य स्मृति पर स्वास्थ्य शिविर व ट्राई साइकिल का हुआ वितरण

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

लाभार्थी दिव्यांगों के साथ मौजूद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह, जयवीर सिंह व विधायक आशीष सिंह आशू। अमृत विचार

अमृत विचार। दिव्य अलोक सेवा फाउंडेशन के तहत प्रख्यात शिक्षाविद् व लोकतंत्र सेनानी स्व. शिवराज सिंह की सातवीं पुण्यतिथि व डॉ आलोक सिंह 'नीलू' की पुण्य स्मृति में विधायक आशीष सिंह आशू ने स्वास्थ शिविर, ट्राई साईकिल, हाब्रिड बीज वितरण, मोतिया बिन्द ऑपरेशन जैसे कार्यक्रम का विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह, जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दीप प्रजवलित कर शुभांरभ किया।

कस्बे के जूनियर हाई स्कूल मैदान में शुक्रवार को विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर विधायक आशीष सिंह ने आयोजन किया। मुख्य अतिथि विधानसभा सभा अध्यक्ष सतीश महाना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने स्व. शिवराज सिंह व डॉ अलोक सिंह को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक के पूज्य पिता स्व. शिवराज सिंह, भाई डॉ आलोक सिंह के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि गरीबों की सेवा से ही दी जा सकती है, जो आशू बखूभी कर रहे हैं। वित्त एवं संसदीय कार्य मन्त्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में शुक्रवार को 81 मेडिकल कॉलेज जिसमें 36 निजी और 45 सरकारी कॉलेज है। डेंगू और मलेरिया अभी को लेकर अच्छा कार्य किया जा रहा है। सेवा की अगर बात की जाए तो जीवन का असली उद्देश्य ही दूसरे की मदद करना है जो आशीष सिंह का परिवार निभा रहा है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि समाज की सेवा ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने घोषणा की मल्लावां में इलेक्ट्रिक बस अगले कार्यक्रम में हरी झंडी दिखाकर चलाई जाएगी और चार्जिंग स्टेशन भी लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में 34 विकलांगों को ट्राई साईकिल (12 बैटरी चालित) वितरित की गईं। दिव्यांगजनों को 15 मशीने भी दी गईं। 50 उन्नतशील किसानों और 50 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रगतिशील किसानों को बीज देकर सम्मानित किया गया। लगभग 10 हजार किसानों को पांच सब्जियों के हाइब्रिड बीज वितरित किये गए। असहाय गरीबों को ठंड से बचाव को लेकर तीन हजार लोगों को कंबल वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से 260 लोगों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया गया। करीब 860 लोगों को चश्मा वितरण और 1200 लोगों को ओपीडी के माध्यम से देखा गया। स्वास्थ्य शिविर में दंत चिकित्सक, कैंसर रोग, पेट रोग गैस्ट्रोलॉजी, हृदय रोग, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक दावों को लेकर शिविर आयोजित किए गए जिसमें चिकित्सकों ने सैकड़ो मरीजों को उपचार व दवाइयां उपलब्ध कराई। सुबह से ही सैकड़ों लोगों की भीड़ देखने को मिली, जहां उन्हें जल पान आदि की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई गईं।

राजनीतिक हस्तियों व अफसरों का रहा जमावड़ा

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के अलावा दो मंत्री, प्रांत प्रचारक कौशल किशोर, सांसद अशोक रावत, विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, जिलाधिकारी अनुनय झा, पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, विधायक की मां विमला देवी, छोटे भाई आईएस गौरव सिंह, जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पूर्व उन्नाव जिला अध्यक्ष अवधेश कटियार, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री, सौरभ मिश्र, संजय सिंह और अमीर कबीर ने मंच का संचालन किया।

24 बच्चों का जल्द ही होगा सफल ऑपरेशन

मल्लावां। श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल रायपुर छत्तीसगढ़ के कुशल चिकित्सकों द्वारा 24 बच्चों के हार्ट के ऑपरेशन ले जाकर किये जाएगे। गरीब परिवार के इन बच्चों को जीवनदान देने का सराहनीय कार्य किया गया।

इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाने की घोषणा

मल्लावां। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने विधायक आशीष सिंह आशू के पूज्य पिता के नाम से इलेक्ट्रिक बस चलाने की घोषणा की। ताकि शहरों की तरह मल्लावां को लाभ मिल सके।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में दिया ज्ञापन

हरदोई, अमृत विचार। राष्ट्रीय हिन्दू शक्ति संगठन, अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन एवं पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि लगातार बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। वहां की पुलिस व प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। बांग्लादेश के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए सभी तरह के सम्बन्ध समाप्त कर बांग्लादेश सरकार को जबरदस्त विरोध दर्ज कराये। मांग की गई कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही अमानवीय घटनाओं को अंतर राष्ट्रीय स्तर पर उठाकर बांग्लादेश को बेनकाब किया जाए। इस मौके पर लक्ष्मी कान्त मिश्र, अखिलेश सिंह सिकरवार, वीरपाल सिंह, देवेश अवस्थी, नीरज सिंह, रजनीश तिवारी, जेबी सिंह, विवेक, कुलदीप सिंह, सुशील मिश्रा, मदन मोहन अवस्थी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

प्राचीन मंदिर में मूर्तियां खंडित किए जाने से लोगों में आक्रोश

हरदोई, अमृत विचार। कुछ असामाजिक तत्वों ने एक प्राचीन शिवाला मंदिर में गणेश व लक्ष्मी की मूर्तियां खंडित कर दी गईं। इसका पता होते ही लोगों में तनाव फैल गया और शिवाला मंदिर के आस-पास भीड़ लग गई। बघौली थाने के गोपार में प्राचीन शिवाला मंदिर है,जहां सालों पहले मूर्तियां स्थापित हुईं थीं, शिवाला मंदिर गांव की धार्मिक आस्था व सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। उसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने मंदिर की मूर्तियां खंडित कर दिया। इसका पता होते ही वहां तमाम ग्रामीण इकट्ठा हो गए। एसएचओ बघौली बृजेश मिश्रा ने लोगों से आपसी सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है, कहा कि जांच की जा रही है, स तरह की हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

क्षतिग्रस्त गणेश प्रतिमा।

चलती बस से गिरकर युवक घायल

हरदोई, अमृत विचार। शहर में रह रहे बड़े भाई के लिए दूध और मट्ठा लेकर आ रहा रास्ते में बस से गिरकर घायल हो गया। उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। टड़ियावां थाने के सोहासा गांव 38 वर्षीय विनोद कुमार खेती करता है। वह शुक्रवार की सुबह शहर के मोहल्ला सुभाष नगर में रह रहे अपने बड़े भाई अशोक कुमार के लिए दूध और मट्ठा लेकर घर से निकला, वह सिकरोहरी पुल से बस पर सवार हुआ, चाचा भवानी सिंह ने बताया कि विनोद जैसे ही बस पर चढ़ने लगा, उसी बीच चालक ने उसे आगे बढ़ा दिया, जिससे वह चलती बस से गिरकर ज़ख्मी हो गया,उसी बीच चालक बस लेकर भाग निकला।

सर्दी से घरों में दुबके लोग, पशु-पक्षी बेहाल

संवाददाता, हरदोई

ठंड से राहत पाने के लिए अलाव के पास बैठा परिवार।

तीन दिन का ऐसा रहा तापमान

दिनांक	न्यूनतम	अधिकतम
2 जनवरी	5.0	15
1 जनवरी	4.5	17.6
31 दिसंबर	6.5	15.6

(डिग्री सेल्शियस में)

अमृत विचार। जिले में मौसम लगातार बिगड़ता चला जा रहा है। नए साल के दूसरे दिन भी मौसम की मार लोग झेलते दिखे। चार किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली पछुआ हवाओं ने तापमान और भी गिरा दिया।

शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्शियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्शियस पहुंच गया। घने कोहरे के चलते दृश्यता 50 से 100 मीटर रही। पूरे दिन बादल छाए रहे। सर्दी की मार सबसे ज्यादा गांव में किसानों को पड़ रही है। खेतों में फसल की रखवाली के लिए उन्हें पूस की सर्द रातें व दिन खेतों पर गुजारने पड़ रहा हैं। मौसम का हाल शुक्रवार को भी खराब रहा। पूरे दिन बादल छाए रहे। सूर्य देव के दर्शन तक नहीं हुए। तेज ठंडी हवाओं ने गलन को और भी बढ़ा दिया। सर्दी से बचाव के लिए लोग जगह-जगह आग तापते दिखाई दिए। सर्दी का आलम यह है कि गांवों में जगह-जगह पूरे दिन लोग अलाव जलाते रहते हैं। सर्द मौसम के चलते बीमारियां भी बढ़ रही है। खांसी व जुकाम के साथ बच्चों व बुजुर्गों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रबी की फसलें बचाने के लिए रात-रात किसान खेतों पर आग के सहारे रह रहे हैं। पशुपालकों के सामने जानवरों को ठंड से बचाना एक चुनौती का काम है। ठंड का असर जनजीवन पर साफ दिखाई पड़ रहा है। कोहरे के चलते दिन में वाहन लाइट जलाकर धीमी गति से चलते रहे।

प्रधान व समाजसेवी ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

कंबल वितरण करते प्रधान प्रवीण सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत चंदूपुर खैराई में नववर्ष के अवसर पर जरूरतमंदों एवं गरीब परिवारों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान प्रवीण सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 400 निर्धन, असहाय एवं ठंड से प्रभावित लोगों को कंबल वितरित किए गए। कंबल वितरण कार्यक्रम पंचायत भवन परिसर में सम्पन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान प्रवीण सिंह ने कहा कि भीषण ठंड के इस मौसम में गरीब और असहाय लोगों को राहत पहुंचाना उनका सामाजिक दायित्व है। वहीं टड़ियावां संवाददाता के अनुसार क्षेत्र के गांव सिकरोहरी के समाजसेवी आकाश सिंह चंदेल ने शीतलहर और कड़कडाती ठंड के बीच बुजुर्गों को बचाव के लिए कंबल वितरित किए। श्री चंदेल के आवास पर एक सैकड़ा से अधिक लोगों को कंबल वितरण किए गये है।

जन कल्याण समिति ने वितरित किए कंबल

हरदोई, अमृत विचार। सामाजिक एवं साहित्यिक संस्था सुभाषचंद्र बोस जन कल्याण समिति के तत्वावधान में शीत ऋतु में वस्त्र वितरण कार्यक्रम के तृतीय चरण के अंतर्गत स्थानीय शहीद उद्यान में पूर्व चयनित 20 निर्धन व्यक्तियों को कंबल प्रदान किए गये। संस्था द्वारा इनके लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष मनीष कुमार मिश्र ने कहा कि सेवा से ही सुख की प्राप्ति होती है। इस सुख की अनुभूति अवर्णनीय है।

फर्जी क्रेडिट कार्ड से लाखों रुपये की ठगी

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। थाना पिहानी क्षेत्र में आधार व पैन कार्ड के जरिए फर्जी तरीके से बैंक लोन निकालकर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग लीडर राजकुमार उर्फ लालू अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों को लोन दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज लेता था और एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड के माध्यम से उनके नाम पर लोन निकाल लेता था। पीड़ितों को लोन की जानकारी नहीं दी जाती थी। बाद में जब उन्होंने वाहन फाइनेंस या सिविल रिपोर्ट चेक कराई, तब ठगी का खुलासा हुआ।

पत्नी की बेवफाई से निराश होकर दी जान

संवाददाता, हरदोई,

विवेक की फाइल फोटो।

- 5 वर्ष से दो बच्चों को लेकर मायके में रह रही है पत्नी
- काफी प्रयास के बाद भी नहीं लौटी कोर्ट में केस चला

अमृत विचार। शादी के बाद दंपति के दो बच्चे हुए। लेकिन इसके बाद आपसी विवाद के चलते पत्नी दोनों बेटों को लेकर मायके चली गई। पति की तमाम कोशिशों के बाद भी वह वापस नहीं लौटी। पत्नी की बेवफाई और अकेलेपन से परेशान होकर पति ने गांव के किनारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शाहाबाद कोतवाली के बिरौरी गांव निवासी 32 वर्षीय विवेक पुत्र रतिराम गुरुवार को अपने घर में था। उसने खाना खाया और टहलने के बाद सो गया। बड़े भाई पूरनलाल ने बताया कि शुक्रवार की भोर पहर वह नींद से उठा तो घर में विवेक नहीं था। मां गंगादेवी ने पूछने पर बताया कि विवेक आधी रात को उठा था, उसके बाद नहीं पता। उमाशंकर उसे ढूंढ रहा था, उसी बीच गांव के बाहर पेड़ पर उसका शव फंदे से लटकता हुआ देखा। उमाशंकर ने बताया कि दो भाइयों में विवेक छोटा था। करीब 5 पहले उसकी पत्नी ज्योति दोनों बेटों को साथ लेकर मायके महेशपुर जिला रुद्रपुर उत्तराखंड चली गई। काफी प्रयास करने पर भी वापस नहीं लौटी। विवेक ने विदाई का मुकदमा कर दिया, दोनों के बीच सालों चली मुकदमेबाज़ी बे-नतीजा रही, उसी के बाद से विवेक डिप्रेशन का शिकार हो गया, उसका इलाज चल रहा था। उमाशंकर का कहना है कि विवेक पत्नी और बच्चों से दूरी बर्दाश्त नहीं कर सका और आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिंचाई कर रहा अधेड़ शारदा नहर में गिरा, डूबने से मौत

हरदोई, अमृत विचार। खेत की सिंचाई कर रहा अधेड़ शारदा नहर में गिर गया। बेटे व परिजनों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और कर सीएचसी पहुंचाया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

टड़ियावां थाने के बहोरवा निवासी विक्रम राठौर (50) खेती-बाड़ी करता था। गांव के बाहर से निकली शारदा नहर के बगल में उसका खेत था,वह गुरुवार को अपने छोटे बेटे गोलू के साथ नहर के पानी से खेत की सिंचाई कर रहा था,उसी बीच वह लड़खड़ा कर नहर में जा गिरा, गोलू ने शोर मचाते हुए उसे बाहर निकालने का प्रयास किया। आवास मौजूद लोगों की मदद से विक्रम को बाहर निकाल कर सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया, लेकिन वहां पहुंचते ही मौत हो गई। विक्रम राठौर के परिवार में पत्नी जयदेवी के अलावा दो बेटे संदीप व गोलू और एक बेटी वीरमती है। संदीप व वीरमती की शादी हो चुकी है।

वार्षिकोत्सव : छात्रों ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, हरदोई

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। आरआर इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप पप्रज्वलन के द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कैप्टन रविंद्र विक्रम सिंह पूर्व प्रबंधक आरआर इंटर कॉलेज व डॉ. कीर्ति सिंह प्रबंधक आरआर इंटर कॉलेज मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव के तहत विज्ञान प्रश्नोत्तरी जूनियर एवं सीनियर वर्ग का आयोजन सुनील कुमार, मंडल शैलेंद्र त्रिवेदी के निर्देशन में किया गया। साथ ही भौतिक व रासायनिक प्रयोगशाला में छात्रों द्वारा विज्ञान के मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें निर्णायक की भूमिका गंगा देवी के प्रधानाचार्य डॉ. अभिराम सिंह, प्रवक्ता अंजलि सिंह ने निभाई। उक्त प्रतियोगिता में वीरेंद्र कुमार राणा शिव कुमार, अशोक कुमार यादव, अनूप कुमार मिश्रा, डॉ अरुण कुमार मिश्रा डॉ राजीव कुमार सिंह आदि विज्ञान अध्यापकों का सहयोग रहा। खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत श्याम नारायण त्रिवेदी के निर्देशन में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। साथ ही जूनियर व सीनियर वर्ग में लंबी कूद तथा गोला क्षेपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विराट कवि सम्मेलन आज

हरदोई, अमृत विचार। शनिवार की सायं 6:30 बजे अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय कवि वेद व्रत वाजपेई के संयोजन में होगा। उक्त कवि सम्मेलन में प्रसिद्ध कवि संदीप शर्मा धार मध्य प्रदेश, प्रसिद्ध कवियत्री गौरी मिश्रा नैनीताल उत्तराखंड, कवि प्रदीप पवार टोंक राजस्थान, प्रसिद्ध कवि मनुव्रत बाजपेई लखनऊ, प्रसिद्ध कवि देवेंद्र परिहार बिलासपुर छत्तीसगढ़, कवयित्री शैलजा सिंह मुंबई महाराष्ट्र,पवन प्रगीत हरदोई, अमित शुक्ला रीवा मध्य प्रदेश अपनी काव्या वर्षा से जिले को अभीसिंचित करेंगे।

ईंट-भट्ठा मजदूर का लटका मिला शव

हरदोई, अमृत विचार। गांव से राशन ले कर लौटे ईंट-भट्ठा मज़दूर का फांसी पर लटका हुआ देखा गया, हालांकि पुलिस उसे आत्महत्या मान रही है, लेकिन घर वाले इससे इंकार कर रहे हैं। टड़ियावां थाने के चौबैहिन थोक मजरा भैंसरी निवासी ऋमुनेंद्र (30) पुत्र कमिल बेहटा गोकुल थाने के मानपुर में ईंट-भट्ठे पर मज़दूरी कर ईंटों की पथाई करता था। पत्नी संगीता का कहना है कि पति न आत्महत्या नही की,बल्कि उसके साथ कोई अनहोनी हुई है।

चुनाव

बार एसोसिएशन की आगामी कार्यकारिणी के चुनाव में अध्यक्ष पद पर 5, महामंत्री के लिए 4 प्रत्याशियों ने कराया नामांकन

बार चुनाव में 22 पदों के लिए कुल 62 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

संवाददाता, हरदोई

नामांकन करते प्रत्याशी। अमृत विचार

अमृत विचार। बार एसोसिएशन की आगामी कार्यकारिणी के चुनाव के लिए नामांकन के साथ ही चुनावी प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत हो गई। एल्डर्स कमेटी की देखरेख में प्रातः 10 बज कर 30 मिनट से नामांकन प्रारंभ हुआ जो 3 बजे तक चला। जिसमें 22 विभिन्न पदों के लिए 62 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

बार एसोसिएशन की एल्डर्स कमेटी के वरिष्ठ सदस्य बाबू मनोहर लाल पाल, गिरीश चन्द्र मिश्रा, इंद्रेश्वर नाथ गुप्ता, श्रीकृष्ण राजवंशी एवं दिग्विजय सिंह की देखरेख में बार एसोसियेशन के दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण पदों में से एक अध्यक्ष पद के लिए जेपी त्रिवेदी, अरविंद कुमार सिंह गौर, सूरज पाल सिंह व अरविंद सिंह करौंदी, अवधेश कुमार सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किए तो दूसरे प्रतिष्ठा वाले महामंत्री पद के लिए अतुल कुमार चतुर्वेदी, सुधीर कुमार यादव, लाल बिहारी दीक्षित, पंकज कुमार सिंह सोमवंशी, सहित 4 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए क्रमशः संजीव सिंह कुशवाहा, रमेश कुमार बाजपेई, मोहम्मद सलीम, कृष्णकांत मिश्रा ने नामांकन कराया। उपाध्यक्ष (10 वर्ष से ऊपर कार्य अनुभव) पद के लिए सुबोध कुमार,गिरीश कुमार मिश्रा, विमल कुमार मिश्रा, रोहित कुमार द्विवेद्वी, प्रीति द्विवेदी, देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं सुधांशु रंजन श्रीवास्तव ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किये। कनिष्ठ उपाध्यक्ष (10 वर्ष से काम कार्य अनुभव) पद के लिए विवेक कुमार द्विवेदी, राजकुमार कपिल, शुभम् सिंह व धर्मेंद्र कुमार सहित चार लोगों ने नामांकन कराया।

कोषाध्यक्ष पद के लिए अरविंद कुमार सिंह, रामबहोरन मिश्रा,कौशलेंद्र दीक्षित ने नामांकन कराया। संयुक्त मंत्री प्रशासन पद के लिए अनुराधा अग्रवाल, विशाल मिश्रा, नीलू त्रिवेदी और अखिलेश कुमार सिंह ने नामांकन कराया। संयुक्त मंत्री प्रकाशन के लिए गोविंद दीक्षित एवं नैमिष राज चौहान तथा संयुक्त मंत्री पुस्तकालय पद के लिए श्यामवीर मिश्रा, अंकित कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिंह गौर, सोमा सैनी, अनूप कुमार मिश्रा ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। वरिष्ठ सदस्य कार्यकारिणी के लिए अनुज प्रताप सिंह, धर्मवीर सिंह, शैलेंद्र कुमार बाजपेई, हिमांशु सिंह, सुनील कुमार सिंह, अजय कुमार मिश्रा, फूलचंद्र, जगत प्रकाश, विनय कुमार गुप्ता, जितेन्द्र कुमार द्विवेदी, अमित श्रीवास्तव, श्रीकांत तिवारी एवं दिनेश चन्द्र त्यागी ने नामांकन कराया। कनिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्य पद के लिए भारतेंद्र प्रताप सिंह, अपनेश कुमार, दुर्गेश कुमार सिंह, अभय पांडेय, आनन्द कुमार वर्मा, अजीत सिंह, रिंकू लाल, पारुल शर्मा, प्रशांक तिवारी, मोहम्मद आरिफ एवं अजीत कुमार ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किये।

नदी से मछलियां निकालते ग्रामीण। अमृत विचार

गर्रा नदी में हजारों मछलियां मरीं, मच गई लूट

पाली, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे के समीप गर्रा नदी में शुक्रवार हजारों मछलियां मृत अवस्था में जलधारा में उतराती नजर आईं। जैसे ही इसकी जानकारी फैली तो आसपास के ग्रामीण और कस्बेवासी झोला, बोरी व अन्य बर्तन लेकर नदी की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते नदी किनारे लोगों की भीड़ जुट गई और लोग पानी में उतरकर मछलियां बीनने लगे। कुछ ही समय में मछलियों की लूट जैसी स्थिति बन गई। इस मामले को लेकर रक्षपाल पुत्र लक्ष्मण निवासी मोहल्ला बिरहाना ने थाने में तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। तहरीर में रक्षपाल ने मोहल्ला पटियानीम निवासी अमरपाल, दाताराम एवं सकटे पर गर्रा नदी में जहर डालने का आरोप लगाया है, जिससे मछलियों की मौत होना बताया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

दूरियां मिटीं, पांच जोड़ों के बीच आईं खुशियां

सीतापुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी से संबंधित पारिवारिक विवादों की काउंसिलिंग की गई। काउंसिलिंग के दौरान रीता राठौर पत्नी अनिल पुत्री सोहन निवासी कुसमा थाना इमलिया सुल्तानपुर, रुचि देवी पुत्री प्यारेलाल पत्नी राहुल वर्मा निवासी गौरा थाना रामकोट, रिचा देवी पत्नी अजय राजपूत निवासी सरायं युसुफ थाना खैराबाद, अंजली सिंह पुत्री स्व. समर बहादुर सिंह पत्नी उदयभान सिंह उर्फ शिवाजी निवासी तेदुबा पाताबोझ थाना महोली और नाजिरा पत्नी मोहम्मद इमरान पुत्री साहिद अली निवासी बाकरपुर थाना महमूदाबाद ने आपसी मतभेद दूर कर एक साथ रहने को राजी हुए। काउंसलिंग के दौरान प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी उप निरीक्षक मधु यादव, महिला आरक्षी कोमल, महिला आरक्षी शालू पाण्डेय आदि मौजूद थीं।

दीवार गिरी, मलबे में दबने से महिला की मौत

सीतापुर, अमृत विचार : कमलापुर क्षेत्र के अंतर्गत बसंतपुर गांव में देर रात लगभग नौ बजे कच्चे घर की दीवार छप्पर सहित गिर गई। मलबे में महिला और बच्ची दब गई। उपचार के दौरान महिला ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। बसंतपुर में शिमला देवी पत्नी केशन छप्पर के नीचे थी। इसी दौरान कच्ची दीवार ढह गयी। वह बच्ची के साथ मलबे में दब गयी। कमला देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। बच्ची का उपचार चल रहा है।

आरोग्य केंद्र के पीछे मिले अजगर को जंगल में छोड़ा

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : चंदेसुवा स्थित आयुष्मान जन आरोग्य केंद्र के पीछे ग्रामीणों ने एक अजगर देखा। इसकी सूचना वन विभाग को दी गयी। वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह के निर्देश पर वन दरोगा अरविंद गिरी वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेस्टर अरविंद गिरी ने बताया कि अजगर को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया गया है।

बेल्ट और लात-घूंसों से युवक को पीटा

सीतापुर, अमृत विचार : रामकोट इलाके में सरेराह दबंगई हुई। एक परिवार द्वारा युवक को लात-घूंसों से पीटा गया। दबंगई का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने रपट दर्ज की है। रामकोट थानाक्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी पप्पू नामक का युवक घर से निकला था। आरोप है कि पड़ोसियों ने घेर लिया। मारपीट हुई, बेल्ट और लात-घूंसों से पीटा गया। इस दौरान कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया। तभी किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि मामले में रामकोट पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शस्त्र सहित शातिर गिरफ्तार

नीमसार, सीतापुर, अमृत विचार : नैमिषारण्य पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने इस दौरान एक शातिर को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान औरंगाबाद निवासी कुलदीप के रूप में हुई। क्षेत्राधिकारी मिश्रिख नेहा त्रिपाठी का कहना है कि आरोपी के कब्जे से असलहा और कारतूस बरामद हुई हैं।

पुलिस ने सात वांछित आरोपियों को दबोचा

सीतापुर, अमृत विचार : सकरन पुलिस ने आदिल और मेहदी को गिरफ्तार किया। लहरपुर पुलिस ने वारंटी कोकर पुत्र मालती निवासी रतौली की गिरफ्तारी की। महमूदाबाद पुलिस ने धर्मेंद्र प्रताप और परमहंस को गिरफ्तार किया। मिश्रिख से वारंटी सत्यपाल और थानगांव से दुर्बिजय को जेल भेजा गया।

दो पक्षों में पथराव, पीआरवी वाहन क्षतिग्रस्त

अटरिया क्षेत्र के जानकीनगर में भूमि विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने ही हुआ टकराव

कार्यालय संवाददाता सीतापुर

अमृत विचार : अटरिया थाना के भोगतीपुर चौकी के निकट जानकीनगर गांव में बीती रात करीब 11 बजे दीवार निर्माण को लेकर दिनेश यादव व मंटू के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई। जिसमें पुलिस की पीआरवी क्षतिग्रस्त हो गई।

बताते चलें कि भगौतीपुर पुलिस चौकी से महज़ कुछ दूरी पर नीलगांव रोड किनारे स्थित जानकीनगर गांव में पिछले महिनों से चल रहा कच्ची दीवार को लेकर दिनेश यादव व मंटू पाल के बीच चल रहा है। बीती रात दोनों पक्षों में कहासुनी हुई दोनों पक्ष शराब के नशे में उग्र हो गए और ईट पत्थर चलाने लगे। एक पक्ष के राजेश ने सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की पीआरवी संख्या 1822 जानकीनगर गांव में मौके पर पहुंची। इसी दौरान पत्थरबाजी में पत्थर पीआरवी वाहन के आगे और पीछे के शीशे पर जा लगा, जिससे दोनों शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में पुलिसकर्मी ड्राइवर घनश्याम, दीवान सिद्धनाथ, व आरक्षी शगुन पूरी तरह सुरक्षित रहे। पीआरवी पर तैनात दीवान सिद्धनाथ ने अटरिया इंस्पेक्टर को तहरीर देकर बताया कि मारपीट की सूचना पर जानकीनगर गांव गए थे जहां दोनों पक्ष ईंट-पत्थर चलाने लगे और गोली चलाने की सूचना मिली है। क्षतिग्रस्त पीआरवी वाहन को अटरिया पुलिस ने रात में ही सीतापुर वर्कशॉप भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अटरिया इंस्पेक्टर राकेश कुमार गुप्ता भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस ने एक पक्ष से प्रदीप व दिनेश जबकि दूसरे पक्ष से मंटू, पुच्चू व रामू तथा अनूप पाल को हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। मौके पर स्थितियों को शांत करवाया।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

जानकीनगर में हुई पत्थरबाजी में दीवान की तहरीर पर 5 नामजद व करीब एक दर्जन से अधिक अज्ञात के खिलाफ 307 सहित संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस जांच पड़ताल कर अग्रिम कारवाही कर रही है।

-कपूर कुमार, सीओ, सिधौली।

वंदेभारत एक्सप्रेस का क्षतिग्रस्त अगला हिस्सा। ● अमृत विचार

मवेशी से टकरायी सहारनपुर जा रही वंदेभारत

अटरिया, सीतापुर, अमृत विचार : सहारनपुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस के आगे एक मवेशी आ गया। शुक्रवार शाम करीब चार बजे वंदे भारत एक्सप्रेस 26504 गोमतीनगर से सहारनपुर जा रही थी। तभी नीलगांव रेलवे क्रासिंग संख्या 39 सी के निकट ट्रेन के सामने एक मवेशी आकर घायल हो गया। उधर वंदे भारत एक्सप्रेस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। स्टेशन मास्टर संजय सिंह ने बताया कि ट्रेन से मवेशी टकरा गया था। 20 मिनट देरी से ट्रेन गंतव्य को रवाना हुई।

शोभायात्रा

शहर में सिख समाज द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा निकाली गयी। जो शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। ● अमृत विचार

आमजन की संजीवनी बनेंगे 38 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जनपद वासियों के लिए खबर राहत भरी है। जिले के सभी विकास खण्डों में मिनी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनने जा रहे हैं। इसको लेकर जिलाधिकारी ने खाका तैयार कर लिया है। स्थानों का चिन्हींकरण होने गया है। जल्द ही डीएम की पहल राहत भरी सौगात लेकर आएगी।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. बताते हैं कि सभी विकास खण्डों में कुल 38 (प्रत्येक विकास खण्ड में 2) मिनी शापिंग काम्पलेक्स बनवाये जायेंगे। इन शापिंग काम्पलेक्स का निर्माण ग्राम निधि, क्षेत्रनिधि एवं पीपीपी माडल के आधार पर कराया जायेगा। इसके लिये 27 विकास खण्ड क्षेत्रों में भूमि का चिन्हांकन हो चुका है। मिनी शापिंग काम्पलेक्स के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। डीएम डॉ. राजागणपति आर. द्वारा निर्माणाधीन जिला चिकित्सालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लेआउट का अवलोकन किया।

जिम और खेल मैदान का कराया जाए विकास: जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के विकास कार्यों एवं निकाय अन्तर्गत संचालित समस्त योजनाओं एवं 15 वॉ वित्त आयोग टाइड ग्रांट एवं अनटाइड ग्रांट की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकायों में ओपेन जिम एवं खेल के मैदान चिह्नित करते हुए उनका विकास कराया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों के बीच स्वच्छता की भावना के विकास के लिये व्यापक स्तर पर प्रयास किये जायें तथा लोगों में जागरूकता बढ़ायी जाये। इसके लिये वार्डों में आपस में स्वच्छता संबंधी प्रतिस्पर्धा कराते हुये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले वार्डों के लोगों को सम्मानित भी किया जाये एवं रोलिंग ट्राफी भी दी जाये, जो अगले चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्ड को स्थानान्तरित की जाये।

निर्माण कार्य का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

तीन अंतर्जनपदीय शातिर गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : रामपुर कला पुलिस ने तीन अंतर्जनपदीय शातिरों को गिरफ्तार किया। दावा है कि आरोपियों के कब्जे से चोरी के गहने और नकदी बरामद हुई है।

एएसपी दुर्गेश सिंह ने बताया कि रामपुर कला थाना पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान सिधौली के अशोधन निवासी रामनाथ, राकेश और कमलापुर के सिंहपुर निवासी सुजीत के रूप में हुई। इनके कब्जे से जिनसे चोरी का माल कुल 7,700/- रुपये नकदी, चार जोड़ी पायल, तीन जोड़ी बिछिया बरामद हुई है। बताया कि आरोपियों पर सीतापुर जनपद के अलावा लखनऊ, हरदोई में अभियोग दर्ज हैं।

छाया कोहरा, शीतलहर से कांपे लोग

सर्दी का सितम

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : शुक्रवार सुबह घना धुंध लेकर आई, जिले का तापमान 9 डिग्री के आसपास रिकार्ड किया गया। जबकि अधिकतम तापमान 12 डिग्री रिकार्ड हुआ। गिरते पारे के बीच दृश्यता (विजिबिलिटी) दस से घटकर 5 मीटर रह गई। हवा की रफ्तार 20 किमी प्रतिघंटा रही। मौसम विशेषज्ञ एके सिंह के मुताबिक, आने वाले दो दिनों में मौसम में खास राहत होती नहीं दिख रही है।

धुंध की जद में आकर युवक की मौत : नैमिषारण्य कोतवाली क्षेत्र का औरंगाबाद निवासी 24 वर्षीय हर्ष मौर्य अपने साथी संजय कश्यप (23) के साथ बाइक से कहीं जा रहा था।

हसनगंज गांव के नजदीक छाए धुंध में अचानक जंगली जानवर आ गए। जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। सड़क हादसे में हर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराये गये संजय की हालत गंभीर बताई जा रही है।

शहर के मुख्य मार्ग पर कोहरे के बीच गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहर

खैराबाद, सीतापुर, अमृत विचार : खैराबाद कस्बे के मोहल्ला माखूपुर में फुटबाल खेलने के जाने का विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

खैराबाद थानाक्षेत्र के कस्बा स्थित मोहल्ला माखूपुर में अंकित फुटबाल खिलाड़ी है। बताते हैं कि वो कई दिनों से घर से बाहर था। एक दिन पहले ही घर लौटा, इसी के बाद फिर फुटबाल खेलने के लिए किसी ने फोन कर दिया। इस बात को लेकर पत्नी चारू और अंकित के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बताते हैं कि झगड़ा होने के बाद अंकित घर से निकल गया। ऐसे में चारू ने संदिग्ध हालातों में विषाक्त का सेवन कर लिया। बिगड़ती हालत के बाद घर में अफरातफरी मच गई। चारू को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। थानाध्यक्ष खैराबाद एके सिंह का कहना है कि मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

असहायों को कंबल वितरित करते अतिथि। ● अमृत विचार

तीर्थ नगरी में लगा चिकित्सा शिविर, बांटे गए कंबल

नैमिषारण्य, सीतापुर, अमृत विचार : तीर्थ नगरी क्षेत्र स्थित कालीपीठ मंदिर नैमिषारण्य में हजरत मौलाना अब्दुल हसन अली नदवी द्वारा स्थापित ऑल इंडिया पयामे इंसानियत फोरम फाउंडेशन के माध्यम से कंबल वितरण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लखनऊ से आए सैयद अब्दुल अली नदवी के मुताबिक, कंबल वितरण व चिकित्सा शिविर में मजदूर, ग्रामीण और देवस्थान पर आए श्रद्धालुगण पहुंचे। कार्यक्रम संचालक भास्कर शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनेंद्र अवस्थी रहे। कार्यक्रम के दौरान ललिता देवी मंदिर के प्रधान पुजारी गोपाल शास्त्री, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. राम प्रकाश गुप्ता के पुत्र और पूर्व डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय के डॉ. राजीव लोचन, शफीक, प्रकाश मिश्रा, रौनक तिवारी, हकीम, शुभम सहित नदवा कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मिश्रिख-सिधौली मार्ग पर रूपपुर पुलिया के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

मोहम्मद नगर निवासी रामसेवक (19) पुत्र श्रीपाल अपने साथी विपिन (18) पुत्र रज्जू निवासी हाजीपुर, थाना मिश्रिख के साथ बाइक से मोहम्मद नगर से हाजीपुर जा रहे थे। जैसे ही वे रूपपुर पुलिया के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

शिवपुरी के पास हादसा, महिला की मौत : बिसवां। सीतापुर-बहराइच मार्ग पर हुए हादसे में एक महिला की मौत हो गई। रेउसा के रेता मजरा टोकली निवासी गायत्री देवी (34) अपने पति संदीप वर्मा के साथ ससुराल बिसवां खुर्द से अपने घर रेता लौट रही थी। इसी दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में बाइक सवार दंपति आ गए। गायत्री असंतुलित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयी। नाजुक हालत में महिला को सीएचसी रेउसा ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

सिटी डायरी

मरीजों को राहत की पोटली देते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपित आर.।

मरीजों को मिली राहत की पोटली

सीतापुर, अमृत विचार : टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में टीबी मरीजों को गोद लिये जाने संबंधी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी द्वारा 5, जिला क्षय रोग अधिकारी द्वारा 5, हाजी फिरदौस अख्तर फाउन्डेशन द्वारा 10 और रेडक्रास सोसाइटी द्वारा 30 टीबी मरीज को गोद लेकर टीबी मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की गयी। कार्यक्रम में रेडक्रास सोसाइटी से संजीव मेहरोत्रा चेयरमैन, ललित श्रीवास्तव सचिव, सनी बेग वाइज चेयरमैन, रियाज अहमद को-आर्डिनेटर, हसनैन

काटे गए पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां। अमृत विचार

औरंगाबाद में प्रतिबंधित हरे-भरे पेड़ों पर चला आरा, कार्रवाई की मांग

औरंगाबाद, सीतापुर, अमृत विचार : इलाके में हरियाली पर लगातार आरा चलाया जा रहा ह। मानपुर और उससे जुड़े पनाहनगर में देर रात लकड़कट्टों द्वारा प्रतिबंधित पेड़ों को काट लिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, जानकारी दिए जाने के बावजूद वन विभाग की टीम ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। रात भर प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चलता रहा। ग्रामीणों का दावा है कि पिछले कुछ दिनों से काटे जा रहे पेड़ों के कारण कई बार आवाजाही भी बाधित हो गई है। कई संदिग्ध व्यक्ति भी मुख्य स्थानों पर देखे जा चुके हैं। लोगों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

एसडीएम से मिलने आए ग्रामीण। अमृत विचार

एसडीएम से मिले ग्रामीण

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : लालपुर बाजार में खलिहान की भूमि पर वर्षो से रह रहे लोगों को प्रशासन ने नोटिस दी। ग्रामीणों ने एसडीएम को पत्र देकर आवासों को न तोड़े जाने की मांग की। लालपुर बाजार की शशि, रेशमा, राम भोली, राहुल राज, सुदामा, राम देवी, खुशी राम, राम विलास, नंद रानी, शर्मा, दिनेश, राम सेवक, दीपू, हरीश, रूपन, बनवारी, संगीता, रीता आदि ने एसडीएम आकांक्षा गौतम से आवासों को न तोड़े जाने की मांग की। गत दिनों प्रशासन ने वर्षो से बने खलिहान की भूमि पर लगभग दो दर्जन इंदिरा आवास और उक्त भूमि पर लगभग दस प्रधानमंत्री आवास हटाये जाने को लेकर नोटिस दी गई थी।

नववर्ष के दूसरे दिन भी मंदिरों में रही भीड़

सीतापुर, अमृत विचार : नव वर्ष के दूसरे दिन भी नैमिषारण्य स्थित मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन-पूजन करने के लिए जुटी रही। सुबह से शुरू क्रम देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान पुलिस के कड़े बंदोबस्त देखने को मिले। मां ललिता देवी मंदिर में देवी मां के जयकारे लगे। अन्य मंदिर परिसर प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंजते रहे। लोगों ने दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर में पूजन-अर्चन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

पड़ताल

कई पंचायत भवनों में जिलाधिकारी के निर्देश के बावजूद लटकते रहे ताले

कहीं पंचायतों में पड़ा ताला तो कहीं सुविधाएं नदारद

अमृत विचार टीम, सीतापुर

अमृत विचार : शुक्रवार को विकास खण्ड क्षेत्रों में जन चौपाल का आयोजन हुआ। कई स्थानों पर अव्यवस्थाएं देखने को मिली। कुछ स्थानों पर समस्याओं के निस्तारण भी किये गए।

मछरेहटा: ब्लाक की बिजुवामऊ और रमुवापुर ग्राम पंचायत में ग्राम जन चौपाल का आयोजन हुआ। यहां पंचायत भवन बिजुवामऊ में ताला लगा मिला। ऐसे में चौपाल विद्यालय में आयोजित हुई। बीडीओ राजेश कुमार तिवारी, एडीओ समाज कल्याण और एडीओ कृषि संजीव कुमार ने पहुंचकर प्रधान पुत्र से कहकर दस पंद्रह ग्रामीण बुलाए और चौपाल की औपचारिकता पूरी की। पूछने पर पता चला कि कंप्यूटर सिस्टम कंप्यूटर सिस्टम पंचायत सहायक सीमा पाल के घर पर है।

विकास खंड कसमंडा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खुर्दा और खैरंदेश नगर में ग्राम जन चौपाल का आयोजन किया गया। खुर्दा जन चौपाल की सहायक विकास अधिकारी सहकारिता राजेश गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत सचिव खुर्दा आकिब जमाल ने बताया कि चौपाल में मूला देवी, मीना देवी, शांति देवी, विमला देवी आदि द्वारा राशन कार्ड व अन्य कुल ग्यारह शिकायतें दी गईं।

सीडीओ ने हरगांव में किया शिकायतों का निस्तारण : विकास खंड हरगांव के पोखरा में मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या द्वारा जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों द्वारा पेयजल, आवास, विद्युत आपूर्ति, सड़क, स्वच्छता, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा, स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए।

पंचायत भवन बिजुवामऊ मे पडा ताला।

विकास खण्ड कसमण्डा में चौपाल में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026 रायबरेली

न्यूज ब्रीफ

दरोगा पर मारपीट व धमकी देने का आरोप

जगतपुर : थाना क्षेत्र के जोग पट्टी दामोदर मजरे धर्मदासपुर निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र राम सिंह ने जगतपुर थाने में शिकायती पत्र दिया है। उसका आरोप है कि जगतपुर थाने में तैनात एक दरोगा ने उसे थाने बुलाया और कहा कि तुम्हारी शिकायत ऊपर तक पहुंच गई है। यदि पैसे दे दोगे तो शिकायत समाप्त कर दी जाएगी। युवक का आरोप है कि जब उसने पैसे देने से इंकार किया तो उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि युवक के विरुद्ध पहले से एक मुकदमा पंजीकृत है। उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया था। युवक द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं।

दी जाएगी नैपियर घास की जड़ें

रायबरेली : पशुपालकों को प्रचुर मात्रा में हरा चारा उपलब्ध कराये जाने के लिये उत्तर प्रदेश चारा नीति के अधीन राज्य योजनान्तर्गत पशुपालन विभाग की तरफ से 10 पशुपालकों को न्यूनतम 0.2 हे. सिंचित भूमि में नैपियर घास का उत्पादन किये जाने के लिये नैपियर घास की जड़ें बांटी जाएगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित योजनान्तर्गत प्रथम वर्ष में 2.0 हे. क्षेत्रफल भूमि पर जनपद में तहसील स्तर पर नैपियर सीड बैंक तैयार किया जाना है। जिसके लिये चयनित लाभार्थी को प्रथम वर्ष में नि:शुल्क नैपियर गांठें उपलब्ध करायी जाएगी। जिसके तहत इच्छुक पशुपालकों की श्रेणी के. चयन में अनु. जाति/अनु. जन जाति एवं महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। विकास खण्ड सलोन, दीनशाह गौरा, लालगंज, हरचन्दपुर से चयनित कुल 10 लाभार्थियों का चयन कर लिया गया है। जिनको नेपियर सीड बैंक तैयार की जिम्मेदारी दी जाएगी।

भेंट किया स्वनिर्मित कृषि यंत्र

बछरावां : विकास क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बाछ्पुर मजरे कसरावा गांव निवासी समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता शिवा विश्वकर्मा ने समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को स्वनिर्मित एक कृषि यंत्र भेंट किया है। उक्त स्वनिर्मित कृषि यंत्र के बारे में उन्हें जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिवा की कारीगरी एवं उनके हुनर से प्रसन्न होकर उन्हें 21 हजार रुपये इनाम स्वरूप भेंट किया।

गोष्ठी का हुआ आयोजन

लालगंज : क्षेत्र के महापुरुषों की विरासत संभाल कर रखने के उद्देश्य से गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में स्वामी सूर्य प्रबोध सेवा संस्थान के आद्य संस्थापक स्मृतिशेष महादेव प्रसाद दीक्षित की पुण्य तिथि पर जहां उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। वहीं बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्य राम प्रतापसिंह, मालिक दीन यादव, गंगाराम यादव, रामकिशोर गौतम, डा. रामकुमारी मादव, मुन्नू उसाद दीक्षित, दुर्गेश शुक्ल, जितेन्द्र बहादुर सिंह, देवता यादव आदि लगभग 70 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नरेन्द्र भदौरिया, अरुण कुमार सिंह, राजेश फौजी, रामप्रताप सिंह, लायक सिंह, सुशील यादव, बल्देव सिंह सागर आदि मौजूद रहे।

घने कोहरे और ठंड से ठिठुरा जनजीवन, सूर्यदेव रहे नदारद

शीत लहर का कहर: दोपहर बाद बादलों ने फिर से सूरज को ढका व ठंडी हवा चलने से बढ़ी गलन ▶ हाईवे और मुख्य मार्गों पर हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। शुक्रवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की मोटी परत ने पूरे जनपद को अपनी गिरफ्त में ले लिया, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए और लोगों को ठंड के साथ-साथ आवाजाही में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गलन भरी ठंड ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया।

सुबह-सवेरे काम पर निकलने वाले लोग, स्कूल जाने वाले बच्चे और मजदूर कोहरे व ठंड से जूझते दिखाई दिए। हाईवे और मुख्य मार्गों पर वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। ग्रामीण इलाकों में खेत, सड़कें और पेड़-पौधे कोहरे में गुम हो गए। दिन चढ़ने के बावजूद सूर्यदेव के दर्शन ठीक से नहीं हो सके। आसमान में बादलों और कोहरे की लुकाछिपी दिनभर चलती रही। कभी हल्की धूप की झलक दिखाई दी, लेकिन कुछ ही देर में बादलों ने फिर से सूरज को ढक लिया। धूप न निकलने से ठंड का असर पूरे दिन बना रहा। दोपहर बाद ठंडी हवा चलने लगी, जिससे गलन और बढ़ गई। बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम रही।अलाव और गर्म कपड़ों

ऊंचाहार बस स्टेशन पर कोहरे के कारण सूनी पड़ी सड़क। अमृत विचार

का सहारा लेते हुए लोग ठंड से बचाव करते दिखे। बढ़ती ठंड का असर स्वास्थ्य पर भी पड़ने लगा है। अस्पतालों में सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। चिकित्सकों ने बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। लगातार बढ़ रही ठंड से राहत के आसार कम नजर आ रहे हैं। घना कोहरा और सर्द हवाएं जनजीवन की रफ्तार थामे हुए हैं।

ऊंचाहार में दिन भर छाया रहा कोहरा , नहीं निकला सूरज, ऊंचाहार: पूरा क्षेत्र पिछले दो सप्ताह से कड़ाके की ठंड, शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में है । नववर्ष के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई और नजदीक की चीजें भी साफ नजर नहीं आईं। घने कोहरे के कारण सुबह के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। आवश्यक कार्यों से घर से निकलने वाले लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान लगभग 18 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

बढ़ती ठंड में लोगों को खिलाया समोसा और पकौड़ी, सरेनी: कड़ाके की ठंड मे राहगीरों को मुन्नू विश्वकर्मा की ओर से लोगों को चाय, बिस्कुट, समोसा व पकौड़ी खिलाई गई। इस अवसर पर अनुराग शर्मा, राजू राजपूत, अजीत कुमार, मोहम्मद खलील, कमलेश शर्मा, भीम अवस्थी, बृजेश अवस्थी, नरेंद्र मोहन शुक्ला, भानू सिंह, संजय यादव आदि उपस्थित रहे।

गरीबों की मदद करना पहली प्राथमिकता

सरेनी। लगातार बढ़ रही ठंड से निर्धनों को बचाने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। नव वर्ष के आगमन पर ग्राम प्रधान ने 600 कंबल एवं 500 साड़ी जरूरतमंदों को वितरित की। उन्होंने कहा है कि जरूरतमंदों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। समय-समय पर उनके द्वारा मदद की जाएगी। सरेनी विकास खंड के देवपुर गांव के ग्राम प्रधान खिन्नी सिंह उर्फ विष्णु प्रताप सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में जरूरतमंदों की सदैव हर रूप में सेवा की है। उन्होंने कहा कि गरीबों की मदद करना उनकी पहली प्राथमिकता है। इस मौके पर थाना प्रभारी रमेश चंद्र यादव, बीडीओ प्रमोद कुमार यादव एवं ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार यादव उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करते प्रधान व अन्य।

चाय का आनंद लेते लोग। अमृत विचार

सिविल लाइन ओवरब्रिज पर कोहरे की धुंध के बीच निकलते वाहन। अमृत विचार

कंबल पाकर खिले चेहरे

डलमऊ। मुराई बाग कस्बे के लालगंज रोड पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने लोगों को चाय व टोस्ट वितरित किया। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य, सरयू प्रसाद सोनकर, अरविंद अग्रवाल, पुरुषोत्तम शुक्ला, आशीष सोनी, टेसू दीक्षित, रानू शर्मा, पथवारी शंकर, संदीप मिश्रा, दिनेश मौर्य, संतोष कौशल, रामू गुप्ता, श्यामू गुप्ता, सीताराम कौशल, मुकेश सोनी आदि मौजूद रहे। इसके अलावा ठंड से बचने के लिए शुक्रवार को मुराई बाग चौकी इंचार्ज अमरेश द्विवेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष डलमऊ रामगोपाल एवं उनके पदाधिकारियों द्वारा जरूरतमंदों को कंबल बांटे। इस अवसर पर संतोष कौशल, पप्पू वैश्य, पुरुषोत्तम शुक्ला, पथवारी शंकर, अरविंद गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करते अतिथि।

नासिक में रोजी रोटी कमाने गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता, सरेनी (रायबरेली)

कार्रवाई की मांग

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक की बुधवार की रात को संदिग्ध परिस्थितियों में महाराष्ट्र के नासिक शहर में मौत हो गई। गुरुवार की देर रात जब युवक का शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक के पिता ने कमरे के साथियों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के पूरे ब लदी मजरे सिंघौर तारा गांव का रहने वाला तेज बहादुर (22) पुत्र राजपाल यादव डेढ़ महीने पहले पूरे नवल मजरे सिंघौर तारा गांव के रहने वाले अमरेंद्र पुत्र राजाराम के साथ रोजी-रोटी के लिए नासिक गया था। नासिक में दोनों समेत पांच युवक एक कमरे में रहते थे। मृतक के भाई सज्जन यादव ने बताया कि बुधवार की रात भैया तेज बहादुर की भाभी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि खाना बना रहा हूं कुछ देर बाद बात करूंगा। रात को जब फोन नहीं आया तो परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल स्विच बंद मिला। फोन करने पर उसके साथी ज्ञान सिंह यादव ने परिजनों को बताया कि तेज बहादुर की तबीयत खराब हो गई है। सिविल अस्पताल नासिक में भर्ती हैं। गुरुवार की सुबह ज्ञान सिंह ने परिजनों को बताया कि गिरने से तेजबहादुर के सिर पर चोट लगी थी इससे ब्रेन हेमराज हो गया और उसकी मौत हो गई है। हम लोग पोस्ट मार्टम करवाकर शव लेकर घर आ रहे हैं। बीती शाम को जब शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक के पिता राजपाल यादव का आरोप है कि सभी ने मिलकर बेटे की हत्या कर दी और मुझे गुमराह करते रहे। पिता ने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शहर में उतराता मिला शव, मचा हड़कंप, महराजगंज: क्षेत्र के मऊ गांव स्थित शारदा सहायक खंड 28 नहर के रेगुलेटर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव फंसा मिलने से हड़कंप। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे राहगीरों ने मऊ नहर के रेगुलेटर में शव फंसा हुआ देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इस समय नहर में पानी कम होने के कारण शव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। पुलिस का कहना है कि शव काफी पुराना प्रतीत हो रहा है, जिससे उसकी पहचान में कठिनाई हो रही है। चंदापुर पुलिस के अनुसार शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एसआई प्रवीन कुमार सिंह ने बताया मामले की जांच की जा रही है। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

एनएचएआई ने बदहाल रेलवे ओवर ब्रिज पर रखवाए पत्थर

आवागमन बंद

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। लालगंज बाईपास का रेलवे ब्रिज एक बार फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पुल बनाने वाली कंपनी ने मानक विहीन निर्माण कर लोगों के लिए फिर से भारी मुसीबत पैदा कर दी है। छह वर्षों के बाद चालू हुआ लालगंज बाईपास का रेलवे ओवर ब्रिज एक बार फिर से बंद हो गया है। टोल प्लाजा में धरना प्रदर्शन के बाद चार सितंबर को जिलाधिकारी के आदेश के तहत रेलवे ब्रिज चालू हुआ था लेकिन तीन महीने के अंदर ही पुल की सड़क धंसने के चलते नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने सड़क को बंद कर दिया है। दोनों तरफ भारी भरकम पत्थर लगाकर आवागमन रोक दिया गया है। वास्तव में पुल के ऊपर की सड़क तो 15 दिन के अंदर ही धंस गई थी लेकिन पुल पर लोहे के गाटर रखकर किसी तरह आवागमन चल रहा था। अब जब कि रेलवे पुल दोनों तरफ पत्थर लगाकर बंद कर दिया गया है तो निश्चित रूप से लालगंज के लोगों को एक बार फिर से भारी वाहनों के जाम से जूझना पड़ेगा।

नेशनल हाईवे के द्वारा पुल बंद कर दिए जाने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। भाजपा नेता अनूप पांडे, भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला, भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, महामंत्री शिवम गुप्ता, कौशलेंद्र कंचन ने कहा कि तीन माह में ही पुल बंद हो जाना निश्चित रूप से भ्रष्टाचार का जीता जागता नमूना है। व्यापार मंडल नेताओं ने कहा है कि जिलाधिकारी के तहसील दिवस में इसकी शिकायत की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालगंज रेलवे ब्रिज का लोकार्पण किया था। लगभग 8 माह के बाद पुल खराब होने के चलते बंद कर दिया गया था। लगातार जनता की शिकायतों के बाद 4 अक्टूबर को एक बार फिर से पुल चालू हुआ था। लेकिन लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

रेलवे ओवर ब्रिज के मार्ग पर रखवाए गए पत्थर। अमृत विचार

लालगंज बाईपास की पूर्व में मरम्मत कराई गई थी। जिसके बाद इस पुल से वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया गया था। उस दौरान कुछ कार्य शेष होने की वजह से आने वाले समय में किसी भी तरह की दुर्घटना न होने पाए इसलिए मौके का निरीक्षण करने के बाद लालगंज बाईपास पर पत्थर लगवाकर आवागमन पर रोक लगाई गई है। लगभग 15 दिन में शेष पड़े कार्य की मरम्मत कराकर पुन: आवागमन बहाल करवा दिया जाएगा।

-इंद्रेश कुमार, निदेशक, एनएचएआई, रायबरेली।

ब्लड सेंटर एम्स को एनएबी एच की मिली मान्यता

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को नव वर्ष के प्रथम दिवस पर मान्यता की सौगात मिली है। रक्त केंद्र (ब्लड बैंक) को ब्लड बैंकिंग और ट्रांसफ्यूजन सेवाओं में राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ने मान्यता दी। निदेशक डॉ. अमिता जैन ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह मान्यता संस्थान की गुणवत्ता और मरीज़ों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। डीन एकेडमिक्स व पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज कुमारी ने क्लीनिकल सेवाओं और एकेडमिक ट्रेनिंग को मज़बूत करने में इसके महत्व पर ज़ोर दिया। रक्त बैंक प्रभारी डॉ. अरुणप्रीत कौर ने इस उपलब्धि का श्रेय टीम वर्क और लगातार गुणवत्तापूर्ण प्रयासों को दिया। अधीक्षक प्रो. डा. नीरज श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञानेश्वर पटाले, डॉ. तृप्ति लोखंडे ने क्लीनिकल और प्रशासनिक टीमों के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

एम्स निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन के साथ मौजूद अन्य।

जिला प्रशासन ने बेसहारा का सहारा बने अखिलेश प्रताप को किया सम्मानित

रायबरेली। बेसहारा का सहारा बनकर इलाज कराने वाले शहर के प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंट अखिलेश प्रताप सिंह को जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सम्मानित किया। उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ ही साथ प्रोत्साहन राशि भी दी गई। शहर के शिवाजी नगर निवासी व स्वराज इंडिया पार्टी के जिला कार्यकारिणी सदस्य व सीए अखिलेश प्रताप सिंह चैत्र नवरात्रि में पहलवान वीर बाबा मंदिर मे आयोजित भंडारे मे शामिल होने जा रहे थे। तभी उन्हें एसपी आवास मोड़ सिविल लाइन के पास में एक लावारिस घायलावस्था में दिखा। उन्होंने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराकर उसकी जान बचाई थी। स्वराज इंडिया पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट अर्चना, जिलाध्यक्ष स्वराज इंडिया पार्टी रामविलास यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पुष्कर पाल व मो. हाशिम, अवनीश यादव, संजय, अश्वनी आदि ने खुशी व्यक्त की।

प्रदेश व्यापार मंडल की महिला अध्यक्ष बनीं पूनम

रायबरेली, अमृत विचार। नववर्ष के अवसर पर विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में ऑल इंडिया उद्योग व्यापार मंडल (चौहान गुट) की बैठक की गई। बैठक का प्रमुख केंद्रबिंदु कमला फाउंडेशन की अध्यक्ष पूनम सिंह रहीं। जिन्हें संगठन द्वारा प्रदेश महिला अध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने की औपचारिक घोषणा की गई। पदभार ग्रहण करते हुए पूनम सिंह ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जीसी सिंह चौहान, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना, व्यापारियों की समस्याओं और महिला सहभागिता को बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट आदि लोग मौजूद रहे।

महिला अध्यक्ष व अन्य का स्वागत करते लोग।

आयोजन

ढोल नगाड़े के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी के जयकारे लगाते हुए निकले सिख समाज के पुरुष, महिलाएं व बच्चे

प्रकाश पर्व पर निकली शोभायात्रा का हुआ जोरदार स्वागत

शोभायात्रा में पंचप्यारों का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

शोभायात्रा में करतब दिखाते कलाकार। अमृत विचार

शोभायात्रा का स्वागत करते अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्निहोत्री व मौजूद अन्य। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वे प्रकाश पर्व पर भव्य शोभा यात्रा गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा गुरु नानक नगर से गुरु ग्रंथ साहिब जी की सरपरस्ती और पांच प्यारों की अगुवाई में निकाली गई। जिसमें सबसे आगे निशान साहब के साथ लिए गुरु गोबिंद सिंह जी के जयकारे, ढोल नगाड़े के साथ लगाते युवा चल रहे थे। गुरुनानक जूनियर हाई स्कूल के बच्चे, वारसी बैंड,पंजाब से आया प्रसिद्ध बैंड व प्रसिद्ध वीर खालसा गतका पार्टी आदि सुशोभित थे। पालकी साहेब को विशेष फूलों, बिजली की सजावट से सजाया गया था। सिख समाज के पुरुष, महिलाएं व बच्चे सारे रूट की सफाई धुलाई करते चल रहे थे।

शोभायात्रा गुरु नानक नगर गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर स्टेशन रोड, मंसा देवी मंदिर, घंटाघर, कोतवाली रोड, कचहरी से होते हुए हॉस्पिटल चौराहा, हाथी पार्क से खालसा चौक, गुरु तेग बहादुर मार्केट में लगभग एक घंटे तक विशेष प्रोग्राम हुआ। जगह-जगह पुष्प वर्षा व पांच प्यारों का जगह-जगह माल्यार्पण व स्वागत संगत ने व कई संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा किया गया एवं प्रसाद वितरण भी किया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी सुखजीत सिंह, गुरबचन सिंह सलूजा, दलजीत सिंह अरोड़ा, गुरमीत सिंह मोंगा, गुरजीत सिंह तनेजा, परमजीत गांधी, कुलदीप सिंह अरोड़ा, बंटी सलूजा, राजू सलूजा, नीटू सिंह अरोड़ा, हरप्रीत सिंह तनेजा, कबीर सिंह मोंगा, समर सिंह गांधी, सोनू गांधी, करन सिंह बग्गा, काका मोंगा,हरदेव सिंह,सतपाल सिंह महराजगंज आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संगठनों के पदाधिकारियों ने किया स्वागत: प्रकाश पर्व व शोभायात्रा का अखिल भारतीय हिंदू महासभा उत्तर प्रदेश द्वारा स्थानीय दीवानी कचहरी के पास भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्निहोत्री व प्रदेश उपाध्यक्ष अनूप अग्रवाल के नेतृत्व में स्वागत किया । श्री गुरु सिंह सभा रायबरेली के अध्यक्ष सरदार हरमिंदर सिंह सलूजा ने प्रदेश अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों को शाल पहनाकर कर सम्मानित किया। इसी तरह व्यापारी नेता पंकज मुरारका ने स्वागत किया।

सकारात्मक ऊर्जा का संचार : राज्यमंत्री

रायबरेली क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह, सेंट्रल बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश तिवारी व अन्य। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। नव वर्ष के आगमन पर जनपद में भक्ति और उत्साह का संगम देखने को मिला। इसी क्रम में सेंट्रल बार एसोसिएशन द्वारा रायबरेली क्लब में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। भक्ति रस से सराबोर इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम के आयोजक सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह मौजूद रहे। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चौपाइयों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने बताया कि संस्था हर वर्ष सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से भाईचारे का संदेश देती है। कार्यक्रम में जिला जज, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, मोनू तिवारी, योगेश, शिवेंद्र सिंह रहे।

आध्यात्मिक आयोजनों से होता है

न्यूज ब्रीफ

फर्जी दस्तावेज से नौकरी करने वाला जवान गिरफ्तार

अमेठी। प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) में फर्जी कागजात के सहारे नौकरी करने वाले जवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला दरखा पूरे शिवलाल गांव का है। गांव निवासी राम लखन पुत्र राम अवतार ने फर्जी स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) लगाकर पीआरडी में भर्ती हुए। इस गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद विभाग ने जांच कराई, जिसमें दस्तावेज फर्जी पाए गए। इसके बाद विभाग की ओर से राम लखन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। न्यायालय द्वारा कई बार समन भेजे जाने के बावजूद राम लखन हाजिर नहीं हुए। लगातार गैरहाजिरी को गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने रामवतार के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। गैर जमानती वारंट के क्रम में पुलिस ने शुक्रवार राम लखन को गिरफ्तार कर लिया और विधिक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

बाइक चोरी

रायबरेली : डीह थाना क्षेत्र के परशदेपुर कस्बे के जिल्ला बाजार निवासी आशीष केसरवानी की मोटरसाइकिल बीते 27 दिसंबर को घर से सामने से गायब हो गई। आशीष का कहना है कि पुलिस चौकी में सूचना भी दी गई लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी अभी तक मोटरसाइकिल नहीं मिली।

अभियान में 71 वाहनों पर हुई कार्रवाई

गौरीगंज (अमेठी)। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में जनपद अमेठी में 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 को प्रवर्तन दल, अमेठी द्वारा विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यात्री कर अधिकारी दिनेश रावत व टीम द्वारा वाहन चालकों एवं परिचालकों को शराब का सेवन कर वाहन न चलाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्रवाई भी की गई। इस दौरान हेलमेट न पहनने के 35 मामलों में, सीट बेल्ट न लगाने के 15 मामलों में चालान किए गए। इसके अतिरिक्त 15 ऑटो रिक्शा एवं 6 अन्य मालवाहक वाहनों के विरुद्ध भी चालान की कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने हेतु यह अभियान पूरे माह निरंतर जारी रहेगा।

पुलिस अधिकारियों से मिले सर्राफा व्यापार मंडल के लोग

सुलतानपुर : सर्राफा व्यापार मंडल सुलतानपुर के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सौरभ सामंत को पुष्पगुच्छ भेंट कर नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर देवी प्रसाद सोनी जिला अध्यक्ष, सर्राफा व्यापार मंडल, नवीन कुमार अग्रहरि महामंत्री, लक्खी चंद्र कौशल कोषाध्यक्ष, राजकुमार सोनी अध्यक्ष, स्वर्णकार समाज तथा विनय बरनवाल कोषाध्यक्ष, सुलतानपुर उद्योग व्यापार मंडल उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए नववर्ष में बेहतर समन्वय की अपेक्षा जताई।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, पत्नी घायल

अलग-अलग क्षेत्रों में हुईं दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल, वाहन समेत चालक मौके से फरार

संवाददाता, जामो (अमेठी)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र अंतर्गत लालूपुर ढबिया निवासी दिलीप पांडेय (40) पुत्र राम मूरत पांडेय की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी ललिता गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को दिलीप पांडेय अपनी पत्नी ललिता के साथ बाइक से किसी कार्य से मुसाफिरखाना जा रहे थे। जैसे ही वे बंधवा रेसी के पास पहुंचे, उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दिलीप पांडेय को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी ललिता को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही जामो थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर दो घायल, तिलोई: कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अन्तर्गत दिन शुक्रवार की बीती रात लगभग दस बजे तिलोई कस्बा से राजमिस्त्री का काम करके बाइक से अपने घर सुजीत कुमार उम्र 28 वर्ष, चमन कुमार उम्र 26 वर्ष निवासीगण गांव खालिसपुर थाना फुर्सतगंज अमेठी जैसे ही मोहनगंज चौराहे पर पहुंचा ही था कि जगदीशपुर की तरफ से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया। जिसमें मोटरसाइकिल सवार सुजीत कुमार व चमन गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के पश्चात तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज तिलोई पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद ज़िला अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन परिवार के लोग दवा हेतु अयोग्य अस्पताल रायबरेली ले गये। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि अभी किसी प्रकार का कोई शिकायती प्रार्थनापत्र नहीं मिला मिलने के बाद मुकदमा पंजीकृत कर जांच कर उचित कार्यवाही की जायेगी।

अनियंत्रित डीसीएम दुकान में घुसी, दो लाख का नुकसान, जायस (अमेठी): कोतवाली जायस क्षेत्र अंतर्गत कस्बे में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मदीना मस्जिद के पास एक अनियंत्रित डीसीएम वाहन सड़क से हटकर जूता-चप्पल की दुकान में जा घुसा। हादसे में दुकान का शटर टूट गया और बिक्री के लिए रखे हजारों रुपये के जूता-चप्पल क्षतिग्रस्त हो गए।

गनीमत यह रही कि घटना सुबह के समय हुई, जब दुकान बंद थी। यदि दुकान खुली होती तो जनहानि की भी आशंका थी। दुकान मालिक हनीफ हाशमी ने कोतवाली जायस में तहरीर देकर बताया कि डीसीएम वाहन अनियंत्रित होकर उनकी दुकान में घुस गया, जिससे दुकान का शटर टूट गया और सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित दुकानदार के अनुसार इस हादसे में उन्हें करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोहरे में एक के बाद एक भिड़े तीन ट्रक, तीन घायल, हालत नाज़ुक

घटना स्थल पर क्षतिग्रस्त वाहन।

तिलोई (अमेठी) अमृत विचार। मोहनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार सुबह घने कोहरे के कारण रायबरेली–फैजाबाद मार्ग पर स्थित राजामऊ नहर पुल के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोहरे की वजह से तीन ट्रक आपस में आमने-सामने टकरा गए, जिसमें दो ट्रक चालकों और एक क्लीनर समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्रा तथा थाना प्रभारी मोहनगंज राकेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीन की सहायता से क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद लगभग एक घंटे बाद यातायात बहाल हो सका। दुर्घटना के चलते इस मार्ग पर कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह ठप रहा। मिली जानकारी के अनुसार, दो ट्रक बांदा से मौरंग लादकर अयोध्या की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक खाली ट्रक से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे में घायल ट्रक चालक भगवान दास (42) पुत्र शिवदास जाट एवं नारायण जाट (39) पुत्र रामदेव जाट, दोनों निवासी थाना सरवाड़, जिला अजमेर (राजस्थान) हैं। वहीं तीसरे घायल क्लीनर सचिन पाण्डेय (35) पुत्र लक्ष्मी नारायण, निवासी ग्राम लोहरामऊ, थाना सरेनी, जिला रायबरेली हैं, जो वाहन में सवार थे। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से 200 बेड मेडिकल कॉलेज तिलोई में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस संबंध में थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

26 दिन बाद भी कस्तूरबा गांधी विद्यालय की नहीं हो सकी जांच

दिनेश तिवारी, शुकुल बाजार (अमेठी)

- कस्तूरबा गांधी विद्यालय शुकुल बाजार में आरोपों पर कार्रवाई शून्य
- जांच के नाम पर हीलाहवाली

अमृत विचार। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के तंत्र में ही अगर बेटियों की शिकायतें फाइलों में दबी रह जाएं, तो यह महज लापरवाही नहीं बल्कि गंभीर सवाल है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, शुकुल बाजार में शिक्षिकाओं पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच 26 दिन बाद भी ठंडे बस्ते में पड़ी है।

जानकारी के मुताबिक विगत 7 दिसंबर को गठित तीन सदस्यीय जांच टीम को 26 दिन से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन न जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हुई और न ही कोई ठोस कार्रवाई सामने आई। ऐसे में अभिभावकों का सीधा सवाल है कि क्या विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। यह विद्यालय पहली बार विवादों में नहीं आया है। वर्षों से एक ही स्टाफ की तैनाती, आपसी गुटबाजी और मनमानी ने व्यवस्थाओं को भीतर से खोखला कर दिया है। बता दें कि जुलाई माह में वार्डन अंजू पांडे के त्यागपत्र के बाद प्रभारी वार्डन नीतू श्रीवास्तव पर छात्राओं से निजी कार्य कराने, मानसिक प्रताड़ना और मनमानी जैसे गंभीर आरोप लगे थे। इसको लेकर बीएसए द्वारा जांच सौंपी गई, लेकिन नतीजा आज तक सामने नहीं आया है। अब सवाल यह उठता है अगर समय रहते कार्रवाई होती, तो क्या कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आज हालात इतने विस्फोटक नहीं होते।

प्रताड़ना को लेकर सड़क पर उतरीं थीं छात्राएं: गत सोमवार 7 दिसम्बर को शिक्षिकाओं अर्चना व रंजना देवी पर प्रताड़ना और भेदभाव के आरोप लगाते हुए छात्राओं ने थाने में तहरीर दी थी। अगले ही दिन दूसरा गुट सक्रिय हुआ और प्रभारी वार्डन नीतू श्री वास्तव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया। वहीं छात्राएं और अभिभावक सड़क पर उतर आए, आक्रोशित अभिभावकों के थाने के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन करने के चलते करीब आधा घंटे तक जाम लगा रहा। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन ने विद्यालय को तीन दिन के लिए बंद कर सभी कक्ष, रिकॉर्ड रूम, सीसीटीवी कैमरे व अभिलेख सील कर दिए। साथ ही मामले को जांच समिति गठित कर दी थी लेकिन अभी जांच पूरी न होने और जांच रिपोर्ट नहीं मिलने के चलते छात्राओं और अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय शुकुल बाजार।

एक नजर में पूर्व में हुईं घटनाएं

- विद्यालय का रिकॉर्ड पहले भी सवालों से भरा रहा है।
- 2019 में कक्षा छह की 13 वर्षीय छात्रा का हॉस्टल से रहस्यमय ढंग से लापता होना।
- 2014 में फूड प्वाइजनिंग से 21 छात्राओं का बीमार हो जाना।
- 2015 में रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट।

क्या बोले जिम्मेदार

बीएसए संजय तिवारी।

मामले को लेकर बीएसए संजय तिवारी का कहना है कि तीन खण्ड शिक्षा अधिकारी सदस्यीय टीम बनाई गई थी जो निष्पक्ष जांच कर रही है। जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। जांच अभी तक एसआईआर में लगी थी इसलिए अभी जांच जारी है, संबंधित लोगों के बयानों को अलग-अलग लिया जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम के विरोध में वकील और समर्थन में लेखपाल संघ आपस में भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

तनाव

- सीओ समेत कई थानों की फोर्स व पीएसी की गई तैनात

संवाददाता, मुसाफिरखाना अमेठी

अमृत विचार। मुसाफिरखाना तहसील में एसडीएम अभिनव कनौजिया के खिलाफ चल रहा अधिवक्ताओं का आंदोलन शुक्रवार को छावनी में तब्दील हो गया। एसडीएम के समर्थन में लेखपाल संघ के उतरने से स्थिति विस्फोटक हो गई। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद हुई धक्का-मुक्की और तनाव को देखते हुए प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पीएसी तैनात कर दी है। पिछले तीन दिनों से तहसील के अधिवक्ता एसडीएम अभिनव कनौजिया पर अभद्र भाषा के प्रयोग और अपमानजनक व्यवहार का आरोप लगाकर कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। वकीलों का कहना है कि एसडीएम न केवल उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं, बल्कि उन्होंने बार अध्यक्ष के साथ भी अमर्यादित आचरण किया है। शुक्रवार को सुबह जब अधिवक्ता अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तभी लेखपाल संघ एसडीएम के समर्थन में लामबंद होकर वहां पहुंच गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई, जिसने जल्द ही धक्का-मुक्की का रूप ले लिया। तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

तहसील परिसर में तैनात पुलिस बल व पीएसी। अमृत विचार

सूचना मिलते ही मुसाफिरखाना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को संभाला।'तबादला होने तक जारी रहेगा आंदोलन' अधिवक्ताओं ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उनका कहना है कि एसडीएम की कार्यशैली से तहसील का माहौल खराब हो रहा है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि जब तक एसडीएम अभिनव कनौजिया का स्थानांतरण (तबादला) नहीं हो जाता, तब तक हमारा आंदोलन और विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तहसील परिसर को छावनी में बदल दिया गया है। स्थानीय पुलिस के साथ पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फिलहाल परिसर में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

तिलोई (अमेठी)। मोहनगंज पुलिस में शुक्रवार की सुबह गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोहनगंज थाने पर गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त किया है। थाना प्रभारी राकेश सिंह अपने हमराहियों के साथ गश्त पर थे तभी मुखबिर की सूचना पर गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त अनीस पुत्र खालिक अली व अभियुक्त आलोक पासी पुत्र फूलचन्द्र पासी निवासी उजेहनी मजरे रस्तामऊ को गिरफ्तार किया गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों गैंगस्टर अभियुक्तों पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

लाखों की लागत से बना सामुदायिक शौचालय बंद, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा लाभ

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। संग्रामपुर विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा ठेंगहा में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक शौचालय ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों के किसी काम नहीं आ पा रहा है। यह सामुदायिक शौचालय रामघाट धार्मिक स्थल के पास बनाया गया था, ताकि ठेंगहा गांव आने-जाने वाले ग्रामीणों और रामघाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके, लेकिन वर्तमान में यह शौचालय बंद पड़ा है।ग्रामीणों का आरोप है कि सामुदायिक शौचालय में ताला लटका रहता है, जिससे न तो ग्रामीण इसका उपयोग कर पा रहे हैं और न ही श्रद्धालु। इससे शासन की स्वच्छता योजना पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सामुदायिक शौचालय को सुचारू रूप से संचालित कराया जाए, ताकि लाखों रुपये की लागत से बने इस सार्वजनिक संसाधन का सही उपयोग हो सके।वहीं ग्राम सभा में तैनात ग्राम सचिव शौचालय बंद होने की बात को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित एडीओ पंचायत एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब तक इस ओर ध्यान देकर शौचालय को आम जनता के लिए खोलता है या यह सरकारी धन की बर्बादी का एक और उदाहरण बनकर रह जाएगा।

बंद पड़ा लाखों की लागत से बना शौचालय।

पाइप लाइन लीकेज होने से श्रद्धालु और नमाजी परेशान

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

समस्या

अमृत विचार। क्षेत्र के बैंती बाजार स्थित मस्जिद चौराहे पर जल जीवन मिशन विभाग की पाइप लाइन पिछले लगभग एक माह से लीकेज होने के कारण व्यापारियों, स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लीकेज पाइप से लगातार निकल रहा पानी मस्जिद और मन्दिर के पास जमा हो रहा है, जिससे गंदगी फैल गई है। हालात ऐसे हैं कि शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं और मस्जिद में नमाज अदा करने जाने वाले नमाजियों को गंदे पानी से होकर गुजरना मजबूरी बन गई है। स्थानीय व्यापारी शौकत अली ने बताया कि पानी जमा रहने से आए दिन बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं। वहीं दुकानदारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। कमल किशोर रावत, अब्दुल कादिर, मोहम्मद इस्माइल, शैलेंद्र तिवारी सहित अन्य लोगों ने जल जीवन मिशन विभाग से शीघ्र लीकेज पाइप को दुरुस्त कराने की मांग की है। इस संबंध में जल जीवन मिशन विभाग के जेई शिवराज कनौजिया ने बताया कि उन्हें लीकेज की जानकारी नहीं थी। लीकेज पाइप को सही करा दिया जाएगा।

सिटी डायरी

सोशल मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष बने विश्वनाथ

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

जगतपुर (रायबरेली)। कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विश्वनाथ त्रिवेदी के गृह ब्लॉक जगतपुर प्रथम आगमन पर कांग्रेस जनों द्वारा ब्लॉक कार्यालय पर स्वागत किया गया। जिला कॉंग्रेस कमेटी के महासचिव जिला पंचायत सदस्य राकेश सिंह राना ने बताया कि क्षेत्र से एक समान्य से कार्यकर्ता को देश के सबसे ज्यादा चर्चित जनपद के सोशल मीडिया सेल जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ने जगतपुर कांग्रेस परिवार का आभार व्यक्त किया। ब्लॉक अध्यक्ष हारून सिद्दीकी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो समान्य से कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी देती है। यहां जिला सचिव छत्रपाल यादव, आशापाल सिंह, जगदीश कुरील, डॉ शानू, पुष्पेन्द्र सिंह, किसान नेता देवनाथ यादव, अभय शुक्ला, राजकुमार पाल, छेदी यादव रहे।

घायल मोर को पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचा विद्युत लाइनमैन।

लाइनमैन ने कुत्तों से बचाई राष्ट्रीय पक्षी मोर की जान

शिवगढ़ (रायबरेली)। शुक्रवार को शिवगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में विद्युत विभाग के लाइनमैन ने राष्ट्रीय पक्षी मोर की जान बचाकर उसे नया जीवन दिया है। नगर पंचायत के वार्ड नम्बर 6 भूली गाढ़ा रामपुर अंतर्गत पूरे पाण्डेय में विद्युत फॉल्ट ठीक करने गए लाइनमैन रवि वर्मा ने खेत में एक दर्दनाक दृश्य देखा, जहां दो आवारा कुत्ते राष्ट्रीय पक्षी मोर को नोच रहे थे। तभी रवि वर्मा ने दौड़कर मोर को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद उन्होंने साथी कुलदीप को मौके पर बुलाया और मोर को पशु चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. इंद्रजीत वर्मा ने बताया कि मोर का उपचार किया गया है।

दर्शनपुर से भूपतिपुर मार्ग पर जर्जर सड़क। अमृत विचार

जर्जर सड़क पर चलना दूभर

मुंशीगंज (अमेठी)। दर्शनपुर से भूपतिपुर होते हुए रामनगर को जाने वाली सड़क काफी दिनों से जर्जर अवस्था में है। यह सड़क रायबरेली -सुल्तानपुर राजमार्ग से निकलकर अमेठी- मुसाफिरखाना राजमार्ग को जोड़ती है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। सैकड़ों लोगों का आवागमन इस रास्ते पर है । सड़क इतनी जर्जर और बदहाल है कि कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने कई बार मांग उठाई लेकिन हालात जैसे की तैसी बनी हुई है। ग्रामीण त्रिभुवन, हरिराम ने बताया कि सड़क पर लेपन का कार्य हुआ लेकिन इधर-उधर खानापूर्ति करके काम की इतिश्री कर दी गई।

प्रतियोगिता दूसरे दिन खेले गए चार मैच, सेमी फाइनल में पहुंची गोण्डा, शिवगढ़, बनारस और लखनऊ

हॉकी के क्वार्टर फाइनल मैच में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। क्षेत्र के श्री बरखण्डी विद्यापीठ इण्टर कॉलेज शिवगढ़ के मैदान में आयोजित 69वीं ऐतिहासिक श्री बरखण्डी स्मारक राज्य हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। रोमांचक मुकाबलों के बाद गोण्डा, नगर पंचायत शिवगढ़, बनारस व लखनऊ की टीम ने सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

पहला क्वार्टर फाइनल कैट स्टार बनारस व मन्ना इलेवन गोण्डा के बीच खेला गया। जिसमें गोण्डा ने 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। 47वें मिनट में कुनाल, 49वें मिनट में दिव्यांशु शर्मा और 54वें मिनट में पुनः कुनाल ने गोल कर टीम को विजय दिलाई। दूसरा मुकाबला नगर पंचायत शिवगढ़ और डीएचए सुल्तानपुर के बीच हुआ, जिसमें शिवगढ़ ने शूटआउट में 2-0 से जीत हासिल की। अंकित और सौर्यजीत ने एक-एक गोल दागा। तीसरे मैच में श्री बरखण्डी विद्यापीठ इण्टर कॉलेज शिवगढ़ का सामना बनारस इंडिपेंडेन्ट से हुआ। जिसमें बनारस ने 2-0 से बाजी मारी। 30वें मिनट में विष्णु राजभर और 56वें मिनट में अंशू शर्मा ने गोल किए।

चौथा क्वार्टर फाइनल गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ और बलरामपुर के बीच खेला गया। इसमें लखनऊ की टीम ने 4-0 से एकतरफा जीत हांसिल की। कृष्णा ने 6 वें मिनट में, रेयान खान ने 17वें और 47वें मिनट में 2 गोल किए, 47वें मिनट में विवेक पाल ने एक गोल दागा। प्रधानाचार्य राजकुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में टेक्निकल ऑफीसर प्रिंस मौर्य, रेफरी कवि यादव व रफीक अहमद,

हॉकी प्रतियोगिता में शॉट मारता खिलाड़ी। अमृत विचार

खिलाड़ियों को सम्मानित करते शैलेंद्र अग्निहोत्री। अमृत विचार

सचिव शैलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण, भूपेंद्र कुमार, अभिषेक मिश्रा, अभयराज सरोज, सुनील कुमार शुक्ला, बृजेश सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अरविंद कुमार शुक्ल, प्रधान लिपिक राज बहादुर सिंह, अरुण त्रिवेदी आदि लोग उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान, लालगंज: लालगंज क्षेत्र के सराय बैरिया खेड़ा गांव में युवा सनातन जागृत सेना दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय हिंदू समाज महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री ने प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं से समाज में भाईचारे की भावना जागृत होती है। वही स्थानीय युवाओं को आगे बढ़ने का भी अवसर प्राप्त होता है। आज के युग में शिक्षा के साथ-साथ सभी विधाओं में युवाओं को पारंगत होना चाहिए। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

बुजुर्गों को सम्मानित करने सर्वेश सिंह। अमृत विचार

अमेठी। कोरारी लच्छन शाह में सामाजिक सरोकारों को सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। पूर्व सैनिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सर्वेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित मासिक ग्राम सभा के साथ-साथ बुजुर्गों के लिए नि :शुल्क नेत्र निरीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। इस शिविर में बड़ी संख्या में बुजुर्गों ने भाग लिया और अपनी आंखों की जांच कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया।

अमृत विचार

शनिवार, 3 जनवरी 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

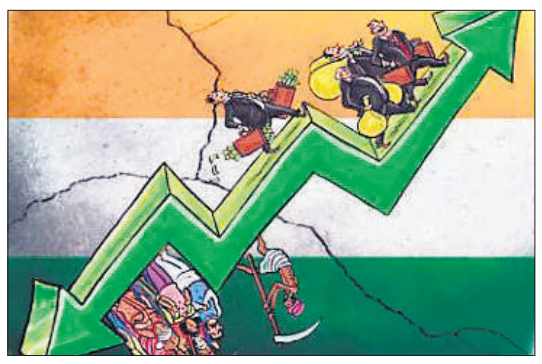

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

> आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आमने

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।

–स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

सामने

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

–नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

> खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं। कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानुभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बढ़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्बाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन और वैशाली

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कपड़ा क्षेत्र: पीएलआई योजना के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। वस्त्र मंत्रालय ने बताया कि अगस्त 2025 में आवेदन पोर्टल दोबारा खुलने के बाद मिली प्रतिक्रिया के बाद आवेदन समय में विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्र सहित प्राथमिकता वाले वस्त्र क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आवेदन किए गए हैं। अक्टूबर में सरकार ने वस्त्र क्षेत्र की पीएलआई योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी, जिसे अब इस वर्ष मार्च तक और बढ़ा दिया गया है।

लखनऊ में 200 कमरों वाला होटल बनाएगा मिगसन ग्रुप

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मिगसन ग्रुप ने लखनऊ स्थित अपने मिश्रित उपयोग वाली परियोजना मिगसन जनपथ में 200 कमरों वाले होटल के निर्माण और संचालन के लिए आतिथ्य ब्रांड क्लबहाउस के साथ समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक यह समझौता 28 वर्ष की राजस्व आधारित पट्टा व्यवस्था पर आधारित है। यह होटल मिगसन जनपथ परियोजना के समग्र विकास का हिस्सा होगा, जिसमें पहले से खुदरा दुकानें, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और जीवनशैली संबंधी सुविधाएं शामिल हैं।

रियल एस्टेट में पीई निवेश 2025 में 59% बढ़कर 6.7 अरब डॉलर

कोलकाता। भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश वर्ष 2025 में सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़कर 6.7 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संपत्ति सलाहकार फर्म सेविल्स इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल पीई निवेश का 76 प्रतिशत विदेशी संस्थागत पूंजी से आया जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस वृद्धि में विदेशी निवेशकों की प्रमुख भूमिका रही।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

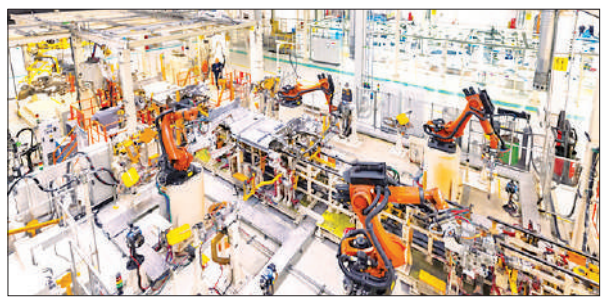

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

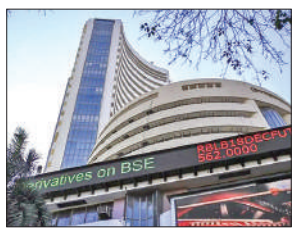

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे। एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं।

जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

दिल्ली: आवारा कुत्तों के मुद्दे पर आप पर अफवाहें फैलाने के आरोप में रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की शिक्षा निदेशालय की शिकायत के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है।

बल्लारी में झड़प के बाद भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला, समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा, ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। राहुल ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं कफ सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

हिमाचल: सीनियर छात्राओं ने की रैगिंग, प्रोफेसर ने यौन उत्पीड़न

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद

- मारपीट से घायल छात्रा की अस्पताल में मौत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ी। वह गहरे सदमे में थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था इसलिए पहले पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 3(5) (सामान्य इरादा) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम 2009 की धारा तीन के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी ने लंबे समय से जारी शुष्क मौसम को तो खत्म किया लेकिन इसके साथ ही अफगानिस्तान के कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ सईदी के अनुसार मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि उस क्षेत्र का इस्तेमाल मादक पदार्थ गिरोह, तस्करी के लिए करते है।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई, जिसमें कथित रूप से 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। गांव के पास पलट गया। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है जिनमें से 39 को अस्पताल मं भर्ती किया गया है।

लीबिया में ड्रोन हमले में दो लोगों की गई जान

त्रिपोली। लीबिया की राजधानी त्रिपोली से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित अजयलात शहर में एक गश्ती दल को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी लीबिया के आंतरिक मंत्रालय के सुरक्षा निदेशालय सहायता बल ने गुरुवार को दी। पुलिस ने कहा कि यह हमला गुरुवार तड़के हुआ, जब गश्ती दल अवैध प्रवास की तैयारी कर रही एक नाव की जानकारी पर कार्रवाई कर रहा था।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- **खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी**

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई , हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई .कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/ फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं तो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6 .5–8 .5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।

- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- **लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा**

दुबई, एजेंसी

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14 .2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला**
- **अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई**

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर

- **हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे**

के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी

- **श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप**

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

- **मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया**

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत–2082, शक संवत 1947 मास– पौष, पक्ष–शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15 .32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

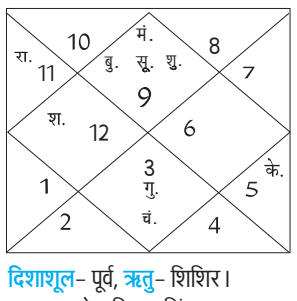

दिशाशूल– पूर्व, **ऋतु**– शिशिर।
चन्द्रबल–मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल– अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र–आर्द्रा 17 .27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष – आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष – आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन – आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क – आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच–विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या – आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला – आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक – आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु – आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर – आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ – आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन – आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन–देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू-21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार ,3 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

मैक्कुलम को कोच बने रहने का समर्थन

सिडनी। बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्रैंडन मैक्कुलम के बिना इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के रूप में अपने भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में नाकामी के बावजूद स्टोक्स ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए वह और मैक्कुलम बिलकुल सही लोग हैं। इंग्लैंड ने श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट में ही एशेज गंवा दी जिससे ऑस्ट्रेलिया में जीत का लंबा इंतजार और बढ़ गया। हालांकि 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में मिली जीत ने निराशाजनक अभियान में थोड़ी राहत दी जो जनवरी 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत थी। स्टोक्स और मैकुलम दोनों का अनुबंध 2027 तक है।

पुरुषों की एचआईएल लीग शनिवार से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बीसीबी का दावा

01, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

09, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच

28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

नीरज और सचिन एआईयू के पूल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव को इस साल के पहले तीन महीने के लिए विश्व एथलेटिक्स की डोपिंग विरोधी निगरानी संस्था एथलीट्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा इस सूची में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, लेकिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने वाले यादव को पहली बार इसमें जगह मिली है। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यादव ने विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया था जो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण आठवें स्थान पर रहे थे।

यादव ने 86.27 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए न केवल चोपड़ा को, बल्कि पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी पीछे छोड़ा था। नदीम 10वें स्थान पर रहे थे। उत्तर प्रदेश के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को भाला फेंक का अगला स्टार माना जा रहा है। आरटीपी अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों का सर्वोच्च स्तर का समूह है। इस सूची में शामिल खिलाड़ियों का परीक्षण बिना किसी पूर्व सूचना के किया जाता है।

इन खिलाड़ियों को अपने घर के पते सहित ठिकाने की जानकारी देनी होती है। इसके साथ ही उन्हें प्रतिदिन 60 मिनट का ऐसा समय भी बताना होता है जिसके दौरान वे परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोदी व योगी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। काशी अब खेल की दुनिया में नया इतिहास रचने को तैयार है। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार जनवरी से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है। काशी के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर की नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भौतिक रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

महिला हॉकी इंडिया लीग

रांची के मरंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में महिला हॉकी इंडिया लीग मैच के दौरान बॉल के लिए संघर्ष करतीं जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ीं। ● एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी | पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

- **51** वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जूड़े रहे भारतीय टीम से
- **10** शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में
- **1997** में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।